RNI NO-UPHIN/2023/84340

# सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | शनिवार, 11 जनवरी 2025 | वर्ष: 02, अंक: 327, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र


## भू माफिया को देर सवेर खाली करनी ही होगी जमीन: सीएम योगी

**सबसे तेज प्रयागराज**

**महाकुम्भनगर।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में पूर्व स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी कमला बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि राजधानी लखनऊ में पूर्व सीएम हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण करने का अवसर मिला और आज प्रयागराज में स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय कमला बहुगुणा की प्रतिमा का भी अनावरण करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भू माफिया को भी निशाने पर लिया। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि भू माफिया ने प्रयागराज में जो सैकड़ों एकड़ भूमि कब्जाई है, उसे खाली करना ही पड़ेगा। सीएम योगी ने प्रयागराज के भूमाफिया को निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रयागराज में सैकड़ों एकड़ भूमि पर तमाम भूमाफिया ने कब्जा किया हुआ है। देर सवेर तो इसे खाली होना ही है। इससे पूर्व सीएम योगी के मंच पर चढ़ते जय श्री राम, हर हर महादेव, हर हर गंगा मैया, वंदे मातरम का भी उदघोष हुआ।

**कमला बहुगुणा के संघर्ष को किया याद**

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व स्वतंत्रता सेनानी कमला बहुगुणा के संघर्ष को भी याद किया। सीएम योगी ने कहा, कमला बहुगुणा ने बचपन से ही ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लिया। 8 साल की उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ नारे लगाए, जिसके कारण उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने प्रताड़ित भी किया। जब उन्होंने घर में अपनी मां से शिकायत की तो मां ने उन्हें और मजबूत किया।

# जो लोग महाकुम्भ तक नहीं पहुंच पाते उन तक पहुंचेगा कुम्भवाणी: योगी

## सीएम योगी ने किया आकाशवाणी के एफएम चैनल 'कुम्भवाणी' का शुभारंभ

### सीएम योगी ने कुम्भवाणी चैनल शुरू करने के लिए पीएम मोदी और प्रसार भारती का जताया आभार

**हनुमान प्रसाद शुक्ल**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को सर्किट हाउस में महाकुम्भ के अवसर पर प्रसार भारती के एफएम चैनल कुम्भवाणी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एफएम चैनल के सफल होने की आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा विश्वास है कि यह एफएम चैनल न सिर्फ लोकप्रियता की नई ऊंचाई हासिल करेगा, बल्कि महाकुम्भ को दूरदराज के उन गांवों तक भी ले जाएगा जहां लोग चाहकर भी यहां नहीं पहुंच पाते हैं। उन लोगों तक इन सुविधाओं के माध्यम से हम महाकुम्भ की हर जानकारी पहुंचाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि दूर दराज में रहने वालों के लिए इस तरह का सजीव प्रसारण कर पाएंगे तो उनको भी सनातन गौरव के इस महासमागम को जानने, सुनने और आने वाली पीढ़ी को बताने का अवसर प्राप्त होगा। सीएम ने कुम्भवाणी चैनल शुरू करने के



लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूचना प्रसारण मंत्रालय व प्रसार भारती को भी धन्यवाद दिया।

**जहां कनेक्टिविटी के इश्यू वहां भी पहुंचेगा चैनल**

सीएम योगी ने कहा कि वास्तव में लोक परंपरा और लोक संस्कृति को आम जन तक पहुंचाने के लिए हमारे पास जो सबसे पहले माध्यम था वो आकाशवाणी ही था। मुझे याद है कि बचपन में हम आकाशवाणी के माध्यम से उस समय प्रसारित होने वाले रामचरित मानस की पंक्तियों को बड़े ध्यान से सुना करते थे। समय के अनुरूप तकनीक बढ़ी और लोगों ने विजुअल माध्यम से भी दूरदर्शन के माध्यम से सचित्र उन दृश्यों को देखना प्रारंभ किया। बाद में निजी क्षेत्र के भी कई चैनल आए, लेकिन समय की इस प्रतिस्पर्द्धा के अनुरूप खुद को तैयार करना और दूरदराज के क्षेत्रों में जहां पर कनेक्टिविटी के इश्यू होते हैं वहां पर बहुत सारी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए प्रसार भारती के एफएम चैनल ने 2013, 2019 और अब 2025 में भी कुम्भवाणी के नाम पर इस विशेष एफएम चैनल को शुरू करने की कार्यवाही प्रारंभ की है।

**समाज को बांटने वाले देखें यहां पंथ, जाति, सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं**

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सनातन गौरव और गर्व का एक महाआयोजन है, एक महासमागम है। जिसको सनातन धर्म के गौरव और गरिमा को देखना हो तो वो कुम्भ का दर्शन करे, यहां आकर अवलोकन करे। जो लोग एक संकीर्ण दृष्टि से सनातन धर्म को देखते हैं, साम्प्रदायिक मतभेद, भेदभाव या छुआछूत के नाम पर लोगों को बांटने का काम करते हैं उन लोगों को आकर देखना चाहिए कि यहां पर न पंथ का भेद है, न जाति का भेद है, न छुआछूत है, न कोई लिंग का भेद है। सभी पंथ और सम्प्रदाय एक साथ एक ही जगह स्नान करते हैं। सभी लोग एक जगह आकर आस्था की डुबकी लगाकर सनातन गर्व के संदेश को पूरे देश और दुनिया तक लेकर जाते हैं। यह एक आध्यात्मिक संदेश है। इस अवसर पर पूरी दुनिया यहां पर एक घोंसले के रूप में देखने को मिलती है।

**लोगों में सच्ची श्रद्धा का भाव जगाने में महत्वपूर्ण होगी भूमिका**

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के बहुत सारे लोगों का यहां पर आगमन शुरू हो चुका है। वो आस्था की डुबकी लगाकर आध्यात्म की गहराइयों को समझने का प्रयास करना चाहते हैं। यह अद्भुत क्षण है और इस अद्भुत क्षण को प्रसार भारती ने कुम्भवाणी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। पूरे दिन भर के कुम्भ के कार्यक्रमों को न सिर्फ आंखों देखा हाल के माध्यम से बल्कि महाकुम्भ के आयोजन के साथ जुड़े हुए हमारे धार्मिक उद्धरणों को भी दूर दराज के गांवों में प्रसारित करने का काम कुम्भवाणी करेगा। जब भी हम सनातन धर्म के इस गौरव को पूरी ईमानदारी के साथ आगे बढ़ाएंगे तो यह मानकर चलिए कि आमजन के मन में इसके प्रति सच्ची श्रद्धा का भाव होगा। उन्होंने कहा कि जब कोविड महामारी आई थी और लॉकडाउन प्रारंभ हुआ था तब जैसे ही दूरदर्शन ने रामायण सीरियल दिखाना प्रारंभ किया तो दूरदर्शन की टीआरपी बढ़ गई थी। आज तो एफएम चैनल युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। निश्चित रूप से इसका लाभ प्रसार भारती को प्राप्त होगा।

इस अवसर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री डॉ एल मुरुगन ने सीएम योगी का आभार जताया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, ओमप्रकाश राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष नवनीत सहगल उपस्थित रहे।

**103.5 मेगाहट्र्ज पर प्रसारित होगा एफएम चैनल***

महाकुम्भ से जुड़ी सभी तरह की जानकारियों के लिए प्रसार भारती ने ओटीटी बेस्ड कुम्भवाणी एफएम चैनल की शुरूआत की है। यह चैनल 103.5 मेगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी पर प्रसारित होगा।

## मुख्यमंत्री ने 'मां की रसोई' का किया उद्घाटन

**सबसे तेज प्रयागराज**

**महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रयागराज में स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में नंदी सेवा संस्थान द्वारा संचालित 'मां की रसोई' का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए संस्थान की ओर से शुरू की गई इस सेवा पर प्रसन्नता जाहिर की और खाने की गुणवत्ता, स्वच्छता के साथ ही यहां दी जा रही सुविधाओं की भी सराहना की। यही नहीं उन्होंने थाली परोसकर सेवा भी की और मां की रसोई के किचन का भी अवलोकन किया।

प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने फीता काटकर नंदी सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां की रसोई का शुभारंभ किया। शुभारंभ करने के बाद सीएम डाइनिंग रूम में भी पहुंचे, जहां लोगों को बैठाकर खाना खिलाने का प्रबंध किया गया है। यहां मुख्यमंत्री ने स्वयं अपने हाथों से थाली लगाकर वहां उपस्थित लोगों की सेवा की। इसके बाद औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी उन्हें लेकर सीधे किचन पहुंचे, जहां खाना तैयार किया जाता है। यहां उन्होंने खाने की गुणवत्ता से लेकर अन्य सभी प्रबंधों के विषय में सीएम योगी को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने रसोई का निरीक्षण करते हुए वहां साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए सेवा भाव से शुरू की गई इस रसोई की सीएम योगी ने भूरि भूरि प्रशंसा की। इस दौरान पूरे प्रांगण में जय श्री राम का उद्घोष भी होता रहा।

**9 रुपए में मिलेगी थाली**

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए नंदी सेवा संस्थान द्वारा यह सेवा शुरू की गई है। इसमें मात्र ?9 में लोगों को भरपेट भोजन मिलेगा। थाली में दाल, 4 रोटी, सब्जी, चावल, सलाद और मिठाई दी जाएगी।

इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मेयर अभिलाषा गुप्ता, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और जगदगुरु महामंडलेश्वर संतोष दास (सतुआ बाबा) उपस्थित रहे।

# डीएम ने क्रय एजेन्सी पीसीएफ तथा यूपीएसएस के धान क्रय केन्द्र बीपैक्स कोरियों का किया औचक निरीक्षण

**ब्यूरो चीफ**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी।** जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा आज क्रय एजेन्सी पी0सी0एफ0 के धान क्रय केन्द्र शमसाबाद तथा यू0पी0एस0एस0 के धान क्रय केन्द्र बी0पैक्स कोरियों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान शमसाबाद क्रय केन्द्र पर 70 कृषकों से 3501.40 कुन्तल धान की खरीद की गयी है, जिसमें 2488.80 कुन्तल धान चावल मिलों को प्रेषित किया गया। इसी प्रकार यू0पी0एस0एस0 के कोरियों केन्द्र पर 3149.00

कुन्तल धान की खरीद हुई है, जिसमें से 480.00 कुन्तल धान का प्रेषण मिलों को किया गया। कोरियों केन्द्र पर लगभग 400 कुन्तल धान बाहर भंडारित पाया गया, जिसे जिलाधिकारी ने तत्काल चावल मिलों को भेजने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने जनपद के कृषकों से अपील की है कि वे अपना धान निकटवर्ती क्रय केन्द्र पर विक्रय करें तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त करें।

उन्होंने सभी क्रय एजेन्सी प्रभारियों तथ केन्द्र प्रभारियों को भी सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कृषकों से संपर्क कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करें तथा धान की खरीद में अपेक्षित प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि धान खरीद में लापरवाही बरतने वाले क्रय केन्द्र प्रभारियों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी कार्यरत चावल मिलों पर निगरानी रखते हुए समयबद्ध तरीके से चावल का संप्रदान भारतीय खाद्य निगम में कराना सुनिश्चित करें, ताकि धान के प्रेषण में तेजी आ सके और क्रय केन्द्रों पर जगह के अभाव में खरीद बाधित न हो।

जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी द्वारा बताया गया कि अभी तक जनपद में कुल 30398.36 मी0टन धान की खरीद की गई है, जो निर्धारित लक्ष्य 58000 मी0टन के सापेक्ष 52.41 प्रतिशत हैं।

## एसपी द्वारा साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के पश्चात परेड का निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिया-निर्देश

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बाराबंकी। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स** स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। यू0पी0 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को मानकों के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने एवं आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में वार्ता कर दिशा निर्देश दिये गये। तपश्चात पुलिस लाइन्स परिसर, मेस, बैरक, व्यायामशाला, सीपीसी कैण्टीन, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, आवासीय परिसर आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स/सदर हर्षित चौहान, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार आदि अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## जिलाधिकारी ने जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मंझनपुर का किया निरीक्षण

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी । जिला**धिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मंझनपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर वहॉ पर बने हुए प्रशिक्षण हॉल के मरम्मतीकरण कार्य को देखा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण हॉल की फर्श में टाइल्स लगवाने एवं विद्युत वायरिंग अण्डरग्राउण्ड कराये जाने के निर्देश दियें। उन्होंने कार्य पर लगे हुए मजदूरों को निर्देशित किरते हुए कहा कि मरम्मतीकरण के कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयान्तर्गत पूर्ण कराया जाय, इसमें किसी भी प्रकार हीला-हवाली न बरती जाय।

## दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चरवा पुलिस उ०नि० मुन्ना सिंह यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सतीश पुत्र कमलेश सरोज नि० ग्राम काजू थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को पानी की टंकी तिराहा चरवा के पास से गिरफ्तार किया गया।

## आईजीआरएस निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एसपी ने पुलिस टीमों के उत्साहवर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर** प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह के नेतृत्व में जनपद बाराबंकी पुलिस ने आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में निरन्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वर्ष-2024 में जनपद बाराबंकी ने 08 बार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया साथ ही 03 बार जनपद बाराबंकी व समस्त थानों ने एक साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा सुबेहा, सफदरगंज, सतरिख, रामसनेही घाट, रामनगर, महिला थाना, बदोसराय, टिकैतनगर, घुंघटेर, कोतवाली नगर व कुर्सी थानों ने वर्ष 2024 में निरन्तर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बाराबंकी पुलिस के निरन्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स, बाराबंकी में आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु नियुक्त जनपद की समस्त टीमों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

## भारत-नेपाल सीमा का जायजा लेने पहुंचे आईजी, सुरक्षा सख्त करने के निर्देश

**बहराइच ।** प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर भी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। महाकुंभ के मद्देनजर सुरक्षा का जायजा लेने के लिए बुधवार को देवीपाटन मंडल के आईजी अमित पाठक भारत-नेपाल सीमा रुपईडीहा पहुंचे। यहां पर उन्होंने सुरक्षा का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर के कारण सुरक्षा व्यवस्था और मुस्तैद होगी। आईजी अमित पाठक ने कहा कि यहां पर यूपी पुलिस और एसएसबी का सेटअप है, जो नेपाल सीमा से जुड़े प्वाइंट से आवागमन को रेग्युलेट करते हैं। आज सारे सेटअप को देखा गया है। इसकी जानकारी ली गई है कि लगभग कितने लोग आ रहे हैं और कितनी गाड़ियां सीमा पार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि कार्गो सुविधा भी आईपीसी के माध्यम से चैनलाइज हो रही है। उसमें सुरक्षा बिंदुओं की समीक्षा की गई है। अधिकारियों के साथ बैठक में जो भी बिंदु निकलकर आए हैं, उस पर भविष्य में लेकर कार्रवाई का प्लान बनाया गया है। महाकुंभ को लेकर इस इलाके में सुरक्षा होनी चाहिए, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर है। यहां से व्यापार और लोगों को आना-जाना होता है।

# जिलाधिकारी ने की जिला स्वच्छता समिति की बैठक

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी। जिलाधिकारी** मधुसूदन हुल्गीद्वारा उदयन सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिला स्वच्छता समिति की बैठक की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में अवशेष एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त धनराशि से कराये गए कार्यों की समीक्षा कर अवशेष रह गये सभी पात्र लोगों को व्यक्तिगत शौचालय से लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने गांगा के किनारे अवस्थित ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराये जाने के निर्देश दियें। उन्होंने एडीओ पंचायत एवं डीसी को आपसी समन्वय बनाकर अपने-अपने विकास खण्डों के मॉडल ग्रामों का निरीक्षण करने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान मॉडल ग्रामों का मानक के अनुसार मॉनीटरिंग करेंगे एवं ग्रामवासियों से

बात-चीत कर फोटो सहित अवगत करायेंगे। बैठक में जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन सुजीत शुक्ला ने बताया है कि 2024-25 में लक्ष्य 19406 के सापेक्ष कुल 22606 शौचालयों का लक्ष्य निर्धारित हुआ है। भारत सरकार के पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों में से 17536 व्यक्ति पात्र पायें गयें, जिनकी एम0आई0एस0 करा दी गयी है, जिसमें से 11885 लाभार्थियों को 02 चरणों में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से प्रथम किश्त एवं 4750 लाभार्थियों को दोनों किश्त की धनराशि लाभार्थियों के खाते में अवमुक्त कर दी गयी है एवं अभी भी एम0आई0एस0 के सापेक्ष 5651 लाभार्थियों को प्रथम किश्त एवं 7135 लाभार्थियों को द्वितीय किश्त की धनराशि अवमुक्त किया जाना अवशेष है। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत शौचालयों की रेट्रोंफिटिंग के अन्तर्गत पंचायत सहायको द्वारा अभियान में कुल चयनित 408597 लाभार्थियों के शौचालयों का सत्यापन कराया जाना था, जिसके सापेक्ष 405042 लाभार्थियों का सत्यापन किया जा चुका है, अवशेष 3555 लाभार्थियों के शौचालायों का सत्यापन प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि अब तक वित्तीय वर्ष-2024-25 में कुल 173 ग्राम पंचायतों के अन्तर्गत 287 ग्रामों को मॉडल ग्राम बनाये जाने के निर्देश दियें गये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, उपायुक्त स्वतः रोजगार सुखराज बन्धु, प्रभागीय वनाधिकारी रामसिंह यादव एवं सभी विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी एवं सदस्यगण सहित अन्य सम्बधित अधिकारीगण उपस्थित रहें

## एसडीएम और सीओ ने श्रद्धालुओं के लिये विश्राम करने एवं में ठहरने हेतु बनाये गए होल्डिंग एरिया का भ्रमण किया

**ब्यूरो चीफ**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी। महाकुम्भ-2025** के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा द्वारा उपजिलाधिकारी सिराथू एवं उपजिलाधिकारी चायल के साथ महाकुम्?भ के दौरान जनपद कौशाम्बी से होकर गुजरने वाले श्रद्धालुओं के लिये विश्राम करने एवं रात्रि में ठहरने हेतु थाना कोखराज अंतर्गत बनाये गए होल्डिंग एरिया का भ्रमण किया गया इस दौरान मूलभूत सुविधाओं (पेयजल, शौचालय, अलाव एवं प्रकाश आदि) की व्ययस्था का निरीक्षण करते हुए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

## अक्षय पात्र में है मां अन्नपूर्णा का वास - केशव प्रसाद मौर्य

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज। प्रयागराज की** पावन धरा में आयोजित होने वाले महाकुंभ २०२५ में नागवासुकी मार्ग सेक्टर छह में शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश सरकार केशव प्रसाद मौर्य ने अक्षय पात्र फाउंडेशन की रसोई का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अक्षयपात्र में माँ अन्नपूर्णा का वास है। अक्षयपात्र फाउंडेशन एवं हरे कृष्णा मूवमेंट (इस्कॉन बंगलौर) के द्वारा कुंभ मेले में दी जाने वाली

अन्नक्षेत्र की सेवा अदभुत एवं अतुलनीय है।

कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने श्री श्री राधा वृंदावन चंद्र के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात उन्होंने अक्षय पात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष भरतर्षभा दास के माध्यम से अक्षय पात्र फाउंडेशन की रसोई की कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने अक्षय पात्र फाउंडेशन के अन्नक्षेत्र में संतों को प्रसाद वितरण करते हुए कहा कि मानव की मानव मात्र को भोजन उपलब्ध कराके उसकी भूख को मिटने से बड़ी अन्य कोई सेवा नहीं है। भरतर्षभा दास ने बताया कि इस महाकुंभ में अक्षयपात्र फाउंडेशन एवं हरे कृष्णा मूवमेंट (इस्कॉन बंगलौर) के द्वारा परेड ग्राउंड एवं नागवासुकी स्थित रसोई के माध्यम से प्रतिदिन लगभग २०हजार भक्त, श्रद्धालु, तीर्थ क्षेत्र में निवास कर रहे भगवत प्रेमियों के लिए प्रसाद की व्यवस्था संस्था द्वारा की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस सेवा का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार केशव प्रसाद मौर्य की गरिमामय उपस्थिति में किया गया है। यह सेवा कुंभ के समापन तक प्रदान की जाती रहेगी। इस अवसर पर चतुर्थ संप्रदाय प्रमुख श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास महाराज, चंद्रोदय मंदिर के उपाध्यक्ष कैवल्यपति दास, अक्षय पात्र फाउंडेशन के ऑपरेशन हेड सुरेश्वर दास, कंजलोचन दास, आचार्यनिष्ठा दास, अचिंत्य गौरांग दास सहित अन्य प्रमुख संत उपस्थित रहे।

## डीएम एसपी ने जनप्रतिनिधियों के साथ गोष्ठी कर क्षेत्र की समस्याओं के बारे में विस्तृत चर्चा किया

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर ।** शुक्रवार को जिलाधिकारी फतेहपुर व पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल द्वारा पुलिस लाइन स्थित गेस्ट हाउस में जनपदीय जनप्रतिनिधियों के साथ गोष्ठी कर क्षेत्र व जनपद से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक निर्देश दिये गये है। गोष्ठी में जिलाध्याक्ष भाजपा मुखलाल पाल, विधायक विकास गुप्ता, विधायक राजेन्द्र पटेल सहित व अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे ।

## चांदपुर पुलिस द्वारा वांछित वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर।** पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना चांदपुर पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त आदित्य तिवारी उर्फ गोलू पुत्र अजय कुमार तिवारी उर्फ अंजू तिवारी निवासी ग्राम श्यामपुर थाना जाफरगंज जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

इसी प्रकार पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी नीरज पुत्र स्व0 शिवनारायन नि0ग्राम इब्राहिमपुर नवाबाद पढ़नी थाना चांदपुर जिला फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

## कप्तान ने बैंको की सुरक्षा-व्यवस्था के दृष्टिगत जनपद के लीड बैंकों के प्रबन्धकों के साथ गोष्ठी कर दिया निर्देश

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बाराबंकी । रिजर्व** पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जपनद के लीड बैंकों के 40 प्रबन्धकों के साथ बैंको की सुरक्षा-व्यवस्था के सम्बन्ध में गोष्ठी की गयी। गोष्ठी में बैंको के लॉकर की सुरक्षा, नाइट विजन सीसीटीवी कैमरों के समुचित प्रबन्ध, बैंक परिसर के बाहर व अन्दर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से सुझाव व निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह, क्षेत्राधिकारी रामसनेहीघाट समीर कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी रामनगर सौरभ श्रीवास्तव आदि अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## क्राइम ब्रांच व थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा हत्या में वांछित चल रहे इनामिया गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल** जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को क्राइम ब्रांच व थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा वांछित अभियुक्त मो० इरशाद उर्फ बउवा पुत्र इस्तियाक उर्फ बिल्लू निवासी दरियापुर बहाउद्दीनपुर पोस्ट मोहान जिला उन्नाव व हालपता नई बस्ती मोहल्ला आबूनगर थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

**गिरफ्तार करने वाली टीम**

तारकेश्वर राय प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर, अजीत कुमार शुक्ला प्रभारी निरीक्षक अपराध शाखा फतेहपुर?।

## महिलाओं को स्वयं की सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर। पुलिस** अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

## थरियांव पुलिस द्वारा दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गि**रफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना थरियांव पुलिस द्वारा चोरी का वांछित अभियुक्तगण वीरन सिंह पुत्र राजू चौहान निवासी पिलखनी थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर . दयांशकर उर्फ लवली पुत्र नरेश निवासी पिलखनी थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

**गिरफ्तार करने वाली टीम**

अरविन्द कुमार राय थानाध्यक्ष थरियांव, उ0नि0 सुमित देव पाण्डेय।

# दिल्ली में जितना अधिकार केजरीवाल का उतना अन्य राज्यों से आए लोगों का- सीएम योगी

**हनुमान प्रसाद शुक्ल**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**महाकुम्भ नगर। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद** केजरीवाल द्वारा यूपी और बिहार के लोगों के फर्जी वोटर वाले बयान पर सीएम योगी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सीएम योगी ने कहा कि दिल्ली में जितना अधिकार अरविंद केजरीवाल का है उतना ही अन्य राज्यों से आए हुए लोगों का भी है। लोग दिल्ली की सुविधाओं और विकास में महत्तवूर्ण योगदान देते हैं। सीएम योगी शुक्रवार को प्रयागराज में एक निजी चैनल के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दूसरे राज्य के नागरिक को दिल्ली का मतदाता बनने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति दिल्ली में सरकार की भी किसी प्रकार की सेवा से जुड़ा है तो उसे मतदाता बनने का अधिकार है। इसके अलावा दिल्ली के निर्माण में लगे श्रमिक वर्ग हो या व्यवसायी हो, राजनेता हो या अन्य प्रोफेशनल सभी का दिल्ली पर उतना ही अधिकार है जितना अरविंद केजरीवाल का है। मतदाता बनाने काम चुनाव आयोग के हस्तक्षेप से होता है इसमें किसी सरकार का कोई रोल नहीं है।

केजरीवाल ने संवैधानिक संस्था पर प्रश्न उठाया है।

**हजारों वर्षों की विरासत जुड़ी है कुम्भ की प्रचीन परंपरा- सीएम योगी**

महाकुम्भ के आयोजन की जमीन पर विवाद खड़ा करने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करारा जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा कि जिन्हें विकास पसंद नहीं वही लोग विवाद खड़ा कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कुम्भ की परंपरा प्राचीन है, यह हजारों वर्षों की विरासत के साथ जुड़ी हुई है। हम किसी मत और मजहब के खिलाफ नहीं है, लेकिन अगर कोई 1400 वर्षों के इतिहास वाले इस्लाम को हजारों वर्षों की विरासत पर थोपने का प्रयास करेगा तो यह किसी को स्वीकार नहीं होगा।

सीएम योगी ने कहा कि जिनको विकास पसंद नहीं है ऐसे लोग माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। ये भव्य आयोजन में व्यवधान पैदा करने की मानसिकता है। सीएम योगी ने कहा कि जो लोग कुम्भ के भू-भाग को वक्फ की भूमि बताकर इसे लेने का दावा कर रहे हैं, वह मानसिकता किसी पवित्र उद्देश्य से नहीं हो सकती। यह किसी अच्छे आयोजन में व्यवधान पैदा करने का कुत्सित प्रयास हो सकता है, यह कुदृष्टि किसी भू-माफिया की हो सकती है। इसलिए वक्फ बोर्ड को भू माफिया बोर्ड न बनाएं। सीएम योगी इशारों-इशारों में समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जिनके वक्त जमीनों पर कब्जे हुए इस विवाद के पीछे वही लोग हैं। इनके आकाओं का कहना ही है जो ह्याप्लाट खाली है, वो प्लाट हमारी हैह्न ये नारा पहले भी लगते रहे हैं। लेकिन उनके मंसूबे सफल नहीं होंगे।

## पुलिस ने चेकिंग के दौरान वांछित वारण्टी पकड़े

**सबसे तेज प्रयागराज**

**हंडिया। कोतवाली ह**डिया पुलिस शुक्रवार को चेकिंग के दौरान एक वांछित एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक हंडिया बृज किशोर गौतम ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में चेकिंग किया जा रहा था इसी बीच भूकंप की सूचना पर वारण्टी अभियुक्त इंदल पुत्र जोखूलाल निवासी ग्राम भुई थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत उनके निवास ग्राम भुई के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

इसी प्रकार अपहरण में वांछित अभियुक्त करन गुप्ता पुत्र लालचन्द्र उर्फ बनारसी गुप्ता निवासी ग्राम दुर्गजिया किराँव थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रिखीपुर तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अपहृता/पीड़िता को सकुशल बरामद कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

## करैली पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज । डीसीपी नगर** अभिषेक भारती के निर्देश पर करेली पुलिस वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक करेली राजेश कुमार मौर्य ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर वारण्टी अभियुक्त सुमित निषाद पुत्र अमरनाथ निषाद निवासी 342 सदियापुर थाना करैली जनपद प्रयागराज वर्तमान पता निषादराज पार्क के आगे विहान कालोनी करैलाबाग थाना करैली जनपद प्रयागराज को विहान कालोनी करैलाबाग थाना क्षेत्र करैली से गिरफ्तार किया गया ।

## ट्रक की चपेट में आने से अधेड़ की मौत से घर में मचा कोहराम

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फूलपुर।** फूलपुर क्षेत्र के मुबारकपुर गांव का एक अधेड़ व्यक्ति बाइक से बाजार जा रहा था इसी बीच शुक्रवार शाम लगभग 4 बजे फूलपुर से मुबारकपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रैक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया उसे फूलपुर सी एच सी ले जाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया घटना से घर में कोहराम मच गया। फूलपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव निवासी संतलाल पटेल 50 वर्ष पुत्र झल्लर शुक्रवार शाम लगभग 4 बजे अपने घर से बाजार गया था जहां तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों ने उसे गंभीर हालत में फूलपुर सी एच सी ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तहरीर दी है पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

## डीआईजी रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था एंव तैयारियों का जायजा

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज ।** महाकुंभ-2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत शुक्रवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज राहुल राज द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन का भ्रमण/निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एंव तैयारियों का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु वाह्य एवं आन्तरिक यातायात/मूवमेन्ट योजना, प्रवेश/निकास द्वार, सकुर्लेटिंग एरिया, होल्डिंग एरिया आदि पर पुलिस फोर्स के डिप्लॉयमेंट करने हेतु सर्वसंबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ में अपर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश प्रताप सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी प्रयागराज राजीव रंजन उपाध्याय सहित जीआरपी के अन्य अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे।

## सीएम ने परिवहन निगम की बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

**राम सिंह यादव**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**महाकुम्भ नगर। महाकु**म्भ की व्यवस्थाओं का जायजा लेने प्रयागराज पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की विशेष शटल बसों और अटल सेवा नाम से इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महाकुम्भ में हिस्सा लेने आ रहे श्रद्धालुओं को परिवहन की बेहतर सुविधा देने के मकसद से नई बसों को परिवहन निगम के बेड़े में शामिल किया गया है। परेड क्षेत्र में 100 बसों को हरी झंडी दिखाने के अवसर

पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दया शंकर सिंह, नन्द गोपाल नंदी और स्वतंत्र देव सिंह मौजूद रहे।

**मार्ग की सुंदरता देख अभिभूत हुए सीएम योगी, पैदल चलकर लिया अहसास**

प्रयागराज दौरा पूरा कर जब सीएम योगी वापस एयरपोर्ट लौट रहे थे तब अचानक वह गाड़ी से उतरकर रोड पर चलने लगे। उनको उतरता देखकर सभी मंत्री और अधिकारी भी गाड़ियों से उतरकर साथ हो लिए।

सीएम योगी के चेहरे के भाव स्पष्ट इशारा कर रहे थे कि वह एयरपोर्ट मार्ग की सुंदरता से प्रभावित हैं। उन्होंने पैदल चलकर मार्ग का निरीक्षण किया और फिर मार्ग में लगे पौधों को भी निहारा। इस दौरान उनके साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह मौजूद रहे।

# भतीजे का अपहरण कर हत्या करने वाले चाचा को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

### 13 वर्षों पूर्व 8 वर्ष के बच्चे की चाचा ने कर दी थी हत्या

### दोषी पर 52 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशाम्बी। भतीजे का** अपहरण कर हत्या करने वाले दोषी चाचा को जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।कोर्ट ने साथ ही दोषी पर 52 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है।मामला महेवा घाट थाना क्षेत्र के अलवारा गांव का है। जहाँ अलवारा गांव के रहने वाले राम सुमेर त्रिपाठी ने 20 नवंबर 2011 को थाने में शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह अपने 8 वर्षीय बेटे विवेक के साथ अपने भाई रमेश त्रिपाठी के घर गया था। कुछ देर बाद उनका बेटा विवेक घर जाने के लिए निकाला लेकिन वह घर नहीं पहुंचा। पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर विवेक की तलाश कर रही थी।

घटना के सात दिन बाद 27 नवंबर 2011 को विवेक का शव पड़ोसी के घर मे भूसे के कमरे में मिला। इसके बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए तफ्तीश में जुट गई। पुलिस ने मामले में मृतक के चाचा रमेश त्रिपाठी को आरोपी बनाया और मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। मामला जिला सत्र न्यायाधीश अनुपम कुमार की अदालत में पेश हुआ। शासकीय अधिवक्ता सोमेश्वर तिवारी ने इस मामले में गवाहों का परीक्षण कराया शुक्रवार को गवाहों को सुनने और पत्रावली का अवलोकन करने के बाद जिला सत्र न्यायाधीश अनुपम कुमार ने आरोपी चाचा रमेश त्रिपाठी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर न्यायालय ने कुल 52 हजार रुपए का अर्थ दंड भी लगाया है।

### किशोरी का मुंह दबाकर अपहरण का प्रयास शिकायत

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशाम्बी।करारी कोतवाली** क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार की रात्रि किशोरी शौच को जा रही थी। इस दौरान उसे गांव के ही रहने वाले तीन लोगों ने मुंह दबाकर खेतों की ओर उठा ले गए। किशोरी के द्वारा शोर मचाने पर ललकारते हुए पिता पहुंचा तो तीनों ने कहीं भी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। जानकारी के मुताबिक करारी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले किसान ने करारी थाना में शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गुरुवार की रात्रि उसकी चौदह वर्षीय बेटी हैंडपंप पर पानी भरकर शौच क्रिया को जा रही थी। इस दौरान उसे नितिन, गुड्डा, घमंडी उसका मुंह दाबकर खेतों की ओर उठा ले जा रहे थे। किसी तरह किशोरी ने शोर मचाया तो किशोरी का पिता ललकारते हुए मौके पर पहुंच गया। इस पर उक्त लोगों ने किशोरी सहित पिता को कहीं भी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। खबर लिखे जाने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

## बाराबंकी पुलिस ने 50 लाख के 365 खोए हुए मोबाइल किया बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बाराबंकी। पुलिस अधीक्ष**क बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी करने हेतु प्रभारी सर्विलांस सेल निरीक्षक बृजेश कुमार यादव के नेतृत्व में एक मोबाइल रिकवरी टीम का गठन कर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

इसी क्रम में शुक्रवार को मोबाइल रिकवरी टीम द्वारा कठिन परिश्रम करते हुए 110 अदद एंड्रायड मोबाइल फोन को बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई। बरामद किए गए मोबाइल फोन की अनुमानित कुल कीमत लगभग 15,50,000/- रुपये (पन्द्रह लाख पचास हजार रूपए) है। उल्लेखनीय है कि मोबाइल रिकवरी टीम द्वारा वर्ष-2024 से अब तक कुल 365 अदद खोए हुए मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख 50 हजार रुपये) को बरामद किया जा चुका है। बरामद मोबाइल फोन को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा आज पुलिस लाइन सभागार में उनके स्वामियों को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## चार वारण्टी अभियुक्त चढ़े पुलिस के हत्थे

**स्वाती मिश्रा**
**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर वारंटी की तलाश में तीन थानों** की पुलिस ने चार वारंटी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया।

थाना संदीपनघाट पुलिस उ०नि० अनुराग सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त मान सिंह पुत्र केशनलाल नि० सवार्काजी थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

थाना सराय अकिल पुलिस उ०नि० लाल साहब यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त दिलीप उर्फ गोलक पुत्र मैकूलाल नि० गाटैया का पुरवा मजरा बैर आमद करारी थाना सराय अकिल व किशन पासी पुत्र कल्लू पासी नि० बैरगांव थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

थाना सैनी पुलिस उ0नि0 जयप्रकाश सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त सिहवा पासी पुत्र भदई नि० ग्राम डफरपुर थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

## सेवा व सहयोग करते हुए महाकुंभ में अपनी भूमिका निभाएं भाजपा कार्यकर्ता: क्षेत्रीय अध्यक्ष

### महाकुंभ क्षेत्र सेक्टर 6 नागवासुकी थाना के पास लगेगा भाजपा का राष्ट्रीय शिविर

### शिविर में राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी एल संतोष सहित कई बड़े राष्ट्रीय पदाधिकारी आयेंगे

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।**महाकुंभ में भाजपा संगठन अपना राष्ट्रीय शिविर लगाएगा। शिविर की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को शिविर व्यवस्था में लगे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सिविल लाइन स्थित होटल सी पी एस कैस्टल में आहुत बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी प्रांत दिलीप पटेल ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर महाकुंभ में संगठन का राष्ट्रीय शिविर लगने जा रहा है। जिसमें संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं दूसरे प्रांतों तथा उत्तर प्रदेश के भी प्रदेश पदाधिकारी आयेंगे। साथ ही लाखों करोड़ों की संख्या में पूरे देश दुनिया से श्रद्धालुओं का आगमन भी होगा। ऐसे में सेवा भाव व सहयोग की दृष्टि से भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। शिविर व्यवस्था के निमित टोली का गठन कर दिया गया है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बड़े स्नान पर्वों पर श्रद्धालुओं की मदद हेतु कार्यकर्ता तैयार रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के कुंभ में श्रमिकों का सम्मान कर सेवा भाव का संदेश दिया था। भाजपा कार्यकर्ताओं को उस संदेश को इस महाकुंभ में पहुंचाना है। महिला कार्यकत्रियों को बड़े स्नान पर्वों पर महिला स्नानार्थियों की मदद के लिए लगाया जाएगा। शिविर में अनुशासन व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। एयरपोर्ट,व बस अड्डों से लेकर रेलवे स्टेशन व प्रमुख स्नान मार्गों पर पार्टी कार्यकता कैंप लगाकर एवं मार्गों पर खड़े रहकर श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। शिविर में स्वच्छता व्यवस्था का विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। जल, भोजन, वाहन, चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण सेवा कार्यों को लेकर जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कार्यकताओं से अपील की कि अपने अहम, स्वाभिमान, और आत्मसम्मान को त्यागकर सेवा भाव की दृष्टि से हमें अपनी भूमिका निभानी है। इसके अलावा संगठन से संबंधित साहित्य व केंद्र तथा प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से संबंधित पंपलेट इत्यादि भी वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, महानगर अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा, महापौर गणेश केसरवानी अवधेश चंद्र गुप्ता, रमेश द्विवेदी, अजय पांडेय, अशोक राय, गीता विश्वकर्मा, दिलीप चौरसिया, रमेश पासी, राजेश केशरवानी, विवेक मिश्रा, उमेश तिवारी, निमिष खत्री, हनुमान पाण्डेय, अरुण पटेल, नीरज पांडेय, राम जी शुक्ला, राकेश भारती, आनंद वैश्य सुदर्शन,दीप द्विवेदी, प्रशांत शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

## पुलिस उपायुक्त ने श्रृंगवेरपुर और फाफामऊ घाट का किया निरीक्षण

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत द्वारा महाकुम्भ-2025** के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत बेला कछार व थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत श्रृंगवेरपुर में पार्किंग, कैम्पिंग व होल्डिंग एरिया आदि व श्रद्धालुओं के सुगम, सुरक्षित यातायात व्यवस्था हेतु किए जा रहे प्रबंधों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस मौके पर एसीपी सोरांव जंग बहादुर यादव, एसीपी थरवई चंद्र पाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज अनिल कुमार मिश्रा, थानाध्यक्ष फाफामऊ अश्विनी कुमार सिंह मौजूद रहें।

## आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में नगर जोन के 12 थाने अव्वल

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** आईजीआरएस पोर्टल पर जन शिकायतों के निस्तारण में माह-दिसम्बर की मासिक रैंकिंग में नगर जोन के 12 थानों को प्रदेश में प्रथम स्थान मिला। शासन की ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) से प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित करने में नगर जोन के 12 थानों को माह दिसम्बर- 2024 की रैंकिंग में प्रदेश में प्रथम स्थान मिला है। पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश सरकार के आईजीआरएस पोर्टल पर माह दिसम्बर में प्राप्त जनमानस की शिकायतों को नियत समय में गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने में नगर जोन के 12 थाने धूमनगंज, झूंसी, पूरामुफ्ती, अतरसुइया, खुल्दाबाद, जार्जटाउन, कीडगंज, कोतवाली, दारागंज, शाहगंज, मुट्ठीगंज, महिला थाना ने प्रदेश में अव्वल रहकर शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किये और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के थानों की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। समय-समय पर उच्चाधिकारियों द्वारा समीक्षा कर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में आ रही कमियों को दूर किया गया। पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा आईजीआरएस सेल में कार्य कर रहे समस्त पुलिसकर्मियों की सराहना की गई।

## करारी थाना क्षेत्र में एएसपी ने किया पैदल गस्त

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी। म**हाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से थाना करारी पुलिस बल के साथ कस्बा करारी में भीड़ भाड़ व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल गस्त की गई एवं संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों को चेक किया गया तथा दुकानदारों से वार्ता कर भयमुक्त माहौल के लिए आश्वस्त किया गया।

## संपादक की कलम से

## डॉलर को बढ़ावा देने के आक्रामक रुख से रुपया अस्थिर स्थिति में

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और निवेशक व्यवहार में बदलाव किये हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था का हिस्सा होने के नाते भारत भी इन प्रभावों से अछूता नहीं है। वैश्विक निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण अमेरिकी डॉलर को सुरक्षित मुद्रा माना जा रहा है जिसके कारण रुपये पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मित्रज, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप एक बार फिर व्हाइट हाउस में जाने वाले हैं, लेकिन यह भारत के लिए विशेष रूप से फायदेमंद नहीं है। जो भी हो, ट्रंप को 'मोदी समर्थकज रहते हुए भी 'भारत विरोधी' कहा जा सकता है। मोदी-ट्रम्प के बीच यह सौहार्द्र राष्ट्रपति-चुनाव के भारत विरोधी आर्थिक रुख के बिल्कुल विपरीत है, जो पहले से ही जवाबी टैरिफ की धमकियों और वैश्विक मुद्रा के रूप में अमेरिकी डॉलर के दृढ़ बचाव में प्रकट हुआ है। ट्रंप का यह दावा कुछ अमेरिकी उत्पादों पर नई दिल्ली के उच्च टैरिफ के प्रति उनके असंतोष से उपजा है। यह अमेरिकी आर्थिक हितों को प्राथमिकता देने की उनकी व्यापक नीति को दशार्ता है, जो अक्सर दीर्घकालिक व्यापार साझेदारी की कीमत पर होगी। भारत के लिए, जो अपने व्यापार संतुलन को बनाये रखने के लिए निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर है, ऐसे खतरे संभावित व्यवधानों का संकेत देते हैं। अमेरिका के साथ तनावपूर्ण व्यापार संबंध मौजूदा आर्थिक चुनौतियों को और बढ़ा सकते हैं, खासकर तब जब भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी से जूझ रही हो। भारत के लिए चिंता का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र मजबूत अमेरिकी डॉलर के लिए ट्रम्प का अटूट समर्थन है। वैश्विक मुद्रा के रूप में डॉलर की स्थिति की रक्षा करने पर उनके प्रशासन का जोर वैश्विक वित्तीय प्रणाली में अमेरिकी प्रभुत्व को सुरक्षित करने की व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है। अपने चुनाव के कुछ दिनों के भीतर ट्रम्प ने भारत सहित ब्रिक्स देशों को ऐसे कदमों के खिलाफ चेतावनी जारी की, जो अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को खतरे में डाल सकते हैं।

भारत ने कूटनीतिक रूप से इन चेतावनियों को कम करके आंकते हुए, डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए कुछ देशों के साथ रुपया-आधारित द्विपक्षीय व्यापार में भाग लिया है। हालांकि, ऐसी पहल अपनी प्रारंभिक अवस्था में है और डॉलर-केंद्रित वैश्विक व्यापार नीतियों के व्यापक प्रभाव को कम नहीं कर सकती हैं।

ट्रम्प के राष्ट्रपति पद के दौरान अमेरिकी डॉलर की मजबूती ने पहले ही रुपये को गहरा झटका दिया है, जो डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस गिरावट के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिसमें मजबूत अमेरिकी आर्थिक डेटा भी शामिल है, जो ब्याज दरों पर फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख को पुष्ट करता है।

उच्च अमेरिकी टैरिफ दरें भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी प्रवाह को आकर्षित करती हैं, जिससे रुपये का अवमूल्यन बढ़ जाता है। कमजोर रुपया आयात की लागत, विशेष रूप से कच्चे तेल की लागत को बढ़ाता है, जिससे व्यापार घाटा बढ़ता है और घरेलू मुद्रास्फीति को बढ़ावा मिलता है। मुद्रा को स्थिर करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप को सीमित सफलता मिली है। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर अत्यधिक निर्भरता भारत के भंडार को कम कर सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील हो सकती है।

घरेलू स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रही है जो रुपये की गिरावट में योगदान करती हैं। औद्योगिक उत्पादन में कमी, उपभोक्ता मांग में गिरावट और कमजोर निवेश भावना की विशेषता वाली आर्थिक मंदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास को खत्म कर दिया है। धीमी आर्थिक वृद्धि विदेशी निवेशकों के लिए रुपये के आकर्षण को कम करती है, जो अनिशिचतता के दौर में उभरते बाजारों को अधिक जोखिम वाला मानते हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत का चालू खाता घाटा, जो तब उत्पन्न होता है जब देश निर्यात से अधिक आयात करता है, लगातार बढ़ रहा है और रुपये पर निरंतर दबाव डाल रहा है। वैश्विक तेल की कीमतों में सुधार और भारत के प्रमुख तेल आयातक होने के कारण, इन आयातों के भुगतान के लिए डॉलर की मांग बढ़ गयी है, जिससे रुपये की परेशानी और बढ़ गयी है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारक मुद्रास्फीति का बढ़ता दबाव है। मुद्रास्फीति मुद्रा की क्रय शक्ति को कम करती है और निवेशकों के विश्वास को कम करती है।

इसके अतिरिक्त, रुपये की गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर संरचनात्मक मुद्दों से प्रभावित है। औद्योगिक उत्पादन और उपभोक्ता खर्च जैसे प्रमुख संकेतकों ने कमजोर होने के संकेत दिखाये हैं। गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के बोझ तले दबे बैंकिंग क्षेत्र में विकास को वित्त पोषित करने की सीमित क्षमता है। बैंकों को पुनर्पूंजीकृत करने और ऋ ण देने को प्रोत्साहित करने की सरकारी पहलों के बावजूद, आर्थिक सुधार की गति धीमी बनी हुई है। इसने निवेशकों की भावना को और कमजोर कर दिया है और रुपये को भी। इसके अलावा, डिजिटल अर्थव्यवस्था में चल रहा बदलाव, जो दीर्घावधि में आशाजनक है, ने पारंपरिक व्यापार मॉडल में अल्पकालिक व्यवधान पैदा किया है, जिससे समग्र उत्पादकता और आर्थिक उत्पादन प्रभावित हुआ है।

रुपये पर ट्रम्प की नीतियों का प्रभाव वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से और भी बढ़ गया है। संरक्षणवादी उपायों और व्यापार युद्ध की संभावना ने वैश्विक बाजारों में अस्थिरता पैदा की है, जिसका असर रुपये सहित उभरते बाजारों की मुद्राओं पर पड़ा है।

## कोविड-19 संक्रमण से नहीं बिगढ़ते मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लक्षण : शोध

**नई दिल्ली।** एक शोध में यह बात सामने आई है कि कोविड-19 संक्रमण से मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एमएस) से पीड़ित लोगों में लक्षण नहीं बिगड़ते हैं। यानी कोविड-19 संक्रमण इस गंभीर बीमारी के लक्षणों को नहीं बढ़ाता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एमएस) एक लंबे समय तक चलने वाली बीमारी है जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम (सीएनएस) को प्रभावित करती है और शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं पर ऑटोइम्यून हमले के कारण होती है।

डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय के साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर के शोधकताओं ने 65 वर्ष की औसत आयु वाले 2,132 वयस्कों पर यह शोध किया। 18 महीने तक उनकी निगरानी की गई। वैसे संक्रमणों को एमएस वाले लोगों में और खराब माना जाता है जिससे उनमें शारीरिक अक्षमता भी आ सकती है। न्यूरोलॉजी जर्नल के ऑनलाइन अंक में प्रकाशित परिणामों से पता चला है कि विशेष रूप से कोविड-19 संक्रमणों के लिए यह सच नहीं था। यह उन एमएस रोगियों के लिए राहत भरी खबर है जिनको कोविड-19 संक्रमण हुआ था।

विश्वविद्यालय से और अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के सदस्य एम्बर साल्टर ने कहा, ह्ययह एमएस वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है, कि उन्हें कोविड-19 संक्रमण के बाद अपने एमएस लक्षणों के दीर्घकालिक बिगड़ने के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है ह्व शोध में कुल 796 लोगों ने कोविड संक्रमण होने की सूचना दी, और 1,336 लोगों ने कभी कोविड नहीं होने की सूचना दी। शोध के दौरान प्रतिभागियों ने अपने एमएस लक्षणों की गंभीरता की भी सूचना दी और उनसे चलने, हाथ के कार्य, शारीरिक दर्द, थकान, स्मृति और सोच के बारे में पूछा गया। प्रतिभागियों ने अपनी विकलांगता के स्तर की भी सूचना दी, जो इस बात पर आधारित थी कि उनकी स्थिति चलने या खड़े होने जैसी दैनिक गतिविधियों को कैसे प्रभावित करती है। निष्कर्षों से पता चला कि कोविड वाले और बिना कोविड वाले लोगों के लिए, एमएस लक्षण की गंभीरता नाममात्र 0.02 प्रतिशत प्रति माह बढ़ी। कोविड वाले और बिना कोविड वाले लोगों के बीच एमएस लक्षण की गंभीरता में कोई अंतर नहीं पाया गया।

# संविधान के 75 साल: हम कहां हैं

**- राम पुनियानी**

अम्बेडकर और नेहरु का यह स्पष्ट मत था कि देश की सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संविधान के मूल ढांचे से कोई छेड़छाड़ न की जाए और उसे पूरी तरह से लागू किया जाए। मगर 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संविधान के समीक्षा के लिए वेंकटचलैया आयोग का गठन किया। उस समय राष्ट्रपति डॉ के.आर. नारायणन ने बहुत सामयिक टिप्पणी की थी।

भारत की संसद ने दो दिन तक देश के संविधान पर चर्चा की। विपक्षी नेताओं ने कहा कि हमारे संविधान में समाज के कमजोर वर्गों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए अनेक प्रावधान हैं मगर उसके बावजूद ये वर्ग परेशानहाल हैं। मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया गया है।

इसके विपरीत, सत्ताधारी भाजपा के नेताओं ने संसद के अन्दर और संसद के बाहर भी कहा कि संवैधानिक मूल्यों पर हमले नेहरु (नफरत फैलाने वाले भाषण पर रोक लगाने के लिए संवैधानिक संशोधन) ने शुरू किये और यह सिलसिला इंदिरा गांधी (आपातकाल) से होता हुआ राजीव गांधी (शाहबानो) और राहुल गांधी (विधेयक को फाड़ना) तक चला। उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक बुराईयों की जड़ में नेहरु-गांधी परिवार है और उसी ने संविधान को नुकसान पहुंचाया है।

भाजपा नेता और हिन्दू राष्ट्रवादी चिन्तक लम्बे समय से कहते आए हैं कि भारत का संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है, उसे औपनिवेशिक ताकतों ने हमारे समाज पर लादा है और वह भारतीय सभ्यता और संस्कृति से मेल नहीं खाता। उनका यह तर्क भी रहा है कि कांग्रेस पार्टी ने मुसलमानों का तुष्टिकरण करने और उनका वोट बैंक बनाने के लिए संविधान का दुरुपयोग किया।

जैसा कि हम सब जानते हैं, संविधान उन मूल्यों का प्रतिनिधि है जो स्वाधीनता संग्राम के दौरान उपजे. संविधान तैयार करते समय हमारी सभ्यता की लम्बी परंपरा का भी ख्याल रखा गया। जिन लोगों ने स्वाधीनता आन्दोलन में भाग लिया और जो उसकी पीछे की विचारधारा में आस्था रखते थे, भारतीय सभ्यता की उनकी समझ, उन लोगों से बहुत भिन्न थी जो औपनिवेशिकता-विरोधी आन्दोलन से दूर बने रहे और ब्रिटिश शासकों के आगे नतमस्तक रहे। जहां आजादी का आन्दोलन भारत को समृद्ध विविधताओं वाला एक बहुवादी देश मानता था वहीं स्वाधीनता आन्दोलन से दूर रहने वाले उसे हिन्दू सभ्यता मानते थे। ऐसे लोगों को बहुवाद पसंद नहीं है और वे मानते हैं कि बहुवाद को शिक्षित, आधुनिक नेताओं ने देश पर थोपा है।

संघ परिवार यह भूल जाता है कि भारतीय सभ्यता को हिन्दू सभ्यता बताना, हमारी सभ्यता में जैन, बौद्ध, ईसाई और सिक्ख धर्मों व इस्लाम के योगदान को नकारना है। हिन्दू राष्ट्रवादियों के सबसे प्रिय भगवान राम को देखने के भी अलग-अलग तरीके हैं। कबीर के लिए राम सर्वव्यापी निर्गुण हैं तो गांधी के लिए राम सभी धर्मों के लोगों के रक्षक हैं। गांधी कहते थे



'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम'। जवाहरलाल नेहरु ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'भारत एक खोज' में लिखा है कि 'भारत एक प्राचीन स्लेट है, जिस पर कई परतों में अलग-अलग कालों में विचार और भावनाएं दर्ज की गईं मगर कोई नयी परत, पिछली परतों को न तो पूरी तरह ढंक सकी और न मिटा सकी'। नेहरु बड़े गर्व से सम्राट अशोक के शासनकाल को याद करते हैं, जिन्होंने अपने कई शिलालेखों में वैदिक हिन्दू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म और आजीविकों के साथ एक-समान व्यवहार करने की बात कही है।

संघ परिवार और उसके चिंतक जहां भारत को विशुद्ध ब्राह्मणवादी हिन्दू देश मानते हैं वहीं गांधी, नेहरु इत्यादि इसे सभी भारतीयों का देश मानते थे। भारत की संविधान सभा मोटे तौर पर उस धारा का प्रतिनिधित्व करती थी, जो राष्ट्रीय धारा थी, जो वह धारा थी जिसने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया था। इसके विपरीत, भारत को ब्राह्मणवादी हिन्दू राष्ट्र मानने वाला आरएसएस हाशिये की धारा थी। दोनों धाराओं का यह अंतर, भारत के संविधान का मसविदा तैयार होने के समय से ही परिलक्षित होने लगा था।

अम्बेडकर और नेहरु का यह स्पष्ट मत था कि देश की सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संविधान के मूल ढांचे से कोई छेड़छाड़ न की जाए और उसे पूरी तरह से लागू किया जाए। मगर 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संविधान के समीक्षा के लिए वेंकटचलैया आयोग का गठन किया। उस समय राष्ट्रपति डॉ के.आर. नारायणन ने बहुत सामयिक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि, 'संविधान के कारण हम नाकाम नहीं हुए हैं, बल्कि हमने संविधान को नाकाम किया है'। यह बात मोदी सरकार के कार्यकाल के सन्दर्भ में एकदम सही है। इस दौर में संविधान में कोई बदलाव नहीं किये गए मगर संघ परिवार के कई सदस्यों ने ऐसा करने की इच्छा और जरुरत बताई और उन्हें शीर्ष नेतृत्व द्वारा फटकारा नहीं गया। 'अब की बार चार सौ पार' का नारा इसी इच्छा का प्रतीक था। भाजपा चाहती थी कि उसे लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटें हासिल हों ताकि वह संविधान को बदल सके।

देश में नफरत फैलाने वाले भाषण देने और बातें कहने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसका सबसे ताजा उदाहरण हैं इलाहबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव, जिन्होंने विश्व हिन्दू परिषद् के एक कार्यक्रम में कहा कि 'भारत बहुसंख्यकों की मर्जी के अनुसार चलेगा।' जस्टिस यादव ने 'समान नागरिक संहिताः एक संवैधानिक आवश्यकता' विषय पर बोलते हुआ कहा, 'केवल वही स्वीकार किया जाएगा जो बहुसंख्यकों की भलाई और प्रसन्नता के लिए फायदेमंद हो।' इससे भी ज्यादा बुरी बात यह है कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यादव के कथन का समर्थन किया। यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट ने यादव के सांप्रदायिक और नफरत फैलाने वाले भाषण का संज्ञान लिया है. मगर आदित्यनाथ के यादव को समर्थन का कौन संज्ञान लेगा? वर्तमान स्थितियों पर एक सटीक टिप्पणी में जस्टिस अस्पि चिनॉय ने कहा, 'भाजपा केंद्र में सरकार में है और उसके पास संसद में पूर्ण बहुमत है। मगर उसे भारत और उसके संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को कानूनी तौर पर बदलने की कोई जरुरत महसूस नहीं हो रही है। राज्य और उसके विविध तंत्र उसके नियंत्रण में है और वह कानूनी तौर पर भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बदले बिना ही उसके धर्मनिरपेक्ष संविधान को कमजोर करने और हिंदुत्व पर आधारित राजकाज कायम करने में कामयाब रही है।'

भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ के सांप्रदायिक चरित्र का खुलासा उस समय ही हो गया था जब संविधान का मसविदा जारी किया गया था। इसके कुछ दिन बाद, आरएसएस के गैर-आधिकारिक मुखपत्र 'आगेर्नाइजर' ने 30 नवम्बर 1949 के अपने अंक में लिखा था, 'भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है...भारत के प्राचीन संवैधानिक कानूनों, नामकरणों और भाषा का इसमें नामोनिशां तक नहीं है।' मतलब यह कि भारत के संविधान के निमार्ताओं ने 'मनुस्मृति' को नजरअंदाज किया!

लोकसभा में संविधान पर चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के पितामह वी.डी. सावरकर को उद्दत करते हुए कहा, 'भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। हमारे हिन्दू राष्ट्र में वेदों के बाद मनुस्मृति सबसे पूजनीय ग्रन्थ है, जो प्राचीन काल से हमारी संस्कृति, रीति-रिवाजों, विचारों और आचरण का आधार रही है।' सावरकर का कहना था कि मनुमृति ही हमारे देश का कानून है।

अगर हम संविधान की मसविदा समिति के मुखिया डॉ अम्बेडकर और आरएसएस के एक सरसंघचालक के. सुदर्शन की तुलना करें तो पूरी बात समझ में आ जाएगी। अम्बेडकर ने मनुस्मृति का दहन किया था और आरएसएस के मुखिया ने भारत के संविधान को पश्चिमी मूल्यों से प्रेरित बताते हुए कहा था कि हमें मनुस्मृति पर आधारित भारत का संविधान बनाना है।?

# श्याम बेनेगल का जाना नये सिनेमा का अंत

**-: ललित गर्ग:-**





बालीवुड में समानांतर सिनेमा के जनक, ह्यमंथनह्ल से लेकर ह्यवेलडन अब्बाह्ल तक जिनके फिल्मी सफर को एक युग कहा जा सकता है, बेहद कलात्मक, बेहद संजीदा, बेहद संवेदनशील, ऐसे बेमिसाल फिल्मकार श्याम बेनेगल का 90 वर्ष की उम्र में जाना अत्यंत दुखद ही नहीं है, एक सार्थक भारतीय सिनेमा एवं गौरवशाली टेलीविजन युग का अंत है। दादा साहब फाल्के के अलावा सात राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित बेनेगल ने हिंदी सिनेमा को नसीरूद्दीन शाह, ओमपुरी, स्मिता पाटिल, अमरीश पुरी, अनंत नगा जैसे प्रख्यात कलाकार दिए। उनकी फिल्मों के साथ भारतीय सिनेमा का एक नया और अविस्मरणीय दौर शुरू हुआ, जिसने भारतीय सिनेमा को एक नई ऊंचाई प्रदान की। पिता के कैमरे से 12 साल की उम्र में पहली फिल्म बनाने वाले बेनेगल ने उस समय अहसास कराया कि भारतीय सिनेमा में एक विराट प्रतिभा मोर्चा संभाल चुकी है, जिसके काम की गूंज उनकी जीवन में ही नहीं, बल्कि भविष्य में लम्बे समय तक देश और दुनिया को सुनाई देगी। जब-जब हमने बहुत ठहरकर, बहुत संजीदगी के साथ उनके काम को देखा तो अनायास ही हमें महसूस हुआ कि वे अपने आप में कितना कुछ समेटे हुए थे, अद्भुत, यादगार एवं विलक्षण। सिनेमा दर्शकों का ऐसे महान- फिल्मकार की फिल्मों से अनभिज्ञ रहना इस संसार में रहते हुए भी सूर्य, चन्द्रमा एवं तारों को न देखने जैसा है।

श्याम बेनेगल का जन्म 14 दिसम्बर 1934 को हैदराबाद में हुआ। हैदराबाद की ओसमानिया यूनिवर्सिटी से इकोनोमिक्स में एमए करने के बाद बेनेगल ने आगे जाकर हैदराबाद फिल्म सोसायटी की स्थापना की। उनका संबंध कोंकणी बोलने वाले चित्रपुर सारस्वत परिवार से था। उनका असली नाम श्याम सुंदर बेनेगल था। श्याम बेनेगल की शादी नीरा बेनेगल से हुई थी और उनकी एक बेटी पिया बेनेगल है, जो एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं, जिन्होंने कई फिल्मों के लिए भी काम किया है। श्याम ने बचपन में ही अपने फोटोग्राफर पिता श्रीधर बी. बेनेगल के कैमरे से पहली फिल्म शूट की थी। 1962 में उन्होंने पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म ह्यघर बैठा गंगाह्ल बनाई, जो गुजराती में थी। बेनेगल को भारत सरकार द्वारा 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी सफल फिल्मों में मंथन, जुबैदा और सरदारी बेगम शामिल हैं। जिनमें जीवन के कठोर यथार्थ को बेनेगल ने सिनेमा-शिल्प में, महीन अर्थवत्ता के साथ नाटकीयता के धनीभूत आशयों में अभिव्यक्ति दी, प्रस्तुति दी है। उनकी फिल्मों में एक ऐसी सार्वजनीनता है, जो धनी-निर्धन, शिक्षित-अशिक्षित, देशी-विदेशी सभी को बहुत भीतर तक स्पर्श करती रही है।

श्याम बेनेगल की आखिरी फिल्म ह्यमुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशनह्ल थी, जिसका उन्होंने निर्देशन किया था। इस फिल्म ने भारत ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश में भी सुर्खियां बटोरीं। यह फिल्म बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान पर आधारित थी, जो बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी थे। उनकी जिंदगी पर बनी फिल्म ने बांग्लादेश में 2024 में तख्तापलट करवा दिया था और शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा था। यह फिल्म दिखाती है कि मुजीबुर्रहमान के राजनीतिक सफर की शुरूआत कैसे हुई थी, उन्होंने किस तरह बांग्लादेश की स्वाधीनता के लिए काम किया। इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और बांग्लादेश फिल्म विकास निगम ने मिलकर बनाया था। यह फिल्म जहां एक राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को प्रस्तुति दी, वहीं दो राष्ट्रों के आपसी संबंधों को भी गहराई से उजागर किया।

इस फिल्म को बंगाली के साथ-साथ हिन्दी भाषा में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म का एलान करते हुए बेनेगल ने बताया था कि शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन को पर्दे पर उतारना उनके लिए एक कठिन काम रहा है। उन्होंने कहा था, यह फिल्म मेरे लिए एक बहुत ही भावनात्मक फिल्म है। मुजीब के किरदार को बेबाकी से पेश किया है, वे भारत के बहुत अच्छे दोस्त रहे। उनकी यह फिल्म ही नहीं, बल्कि हर फिल्म ने एक इतिहास निर्मित किया। क्योंकि यह उनकी ही प्रतिभा थी कि वे लगातार काम करने की रणनीतियों में बदलाव लाते रहे और फिल्म-निर्माण को एक विराट फलक तक ले जाते रहे। भारतीय सिनेमा के लगभग सौ साला इतिहास में बेनेगल एक बड़े वटवृक्ष की भांति दिखाई देते हैं।

भारतीय सिनेमा को विश्व में नई और अद्वितीय पहचान दिलाने में बेनेगल का अविस्मरणीय योगदान था। बेनेगल की पहली चार फीचर फिल्मों- अंकुर (1973), निशांत (1975), मंथन (1976) और भूमिका (1977)- ने उन्हें उस दौर की नई लहर फिल्म आंदोलन का अग्रणी बना दिया। बेनेगल की मुस्लिम महिला पर आधारित फिल्में मम्मो (1994), सरदारी बेगम (1996) और जुबैदा (2001) सभी ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। 1959 में, उन्होंने मुंबई स्थित विज्ञापन एजेंसी लिंटास एडवरटाइजिंग में कॉपीराइटर के रूप में काम करना शुरू किया, जहाँ वे धीरे-धीरे क्रिएटिव हेड बन गए। 1963 में एक अन्य विज्ञापन एजेंसी के साथ कुछ समय तक काम किया। इन वर्षों के दौरान, उन्होंने 900 से अधिक प्रायोजित वृत्तचित्र और विज्ञापन फिल्मों का निर्देशन किया। 1966 और 1973 के बीच बेनेगल ने पुणे स्थित भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में पढ़ाया और दो बार संस्थान के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनके शुरूआती वृत्तचित्रों में से एक ए चाइल्ड ऑफ द स्ट्रीट्स (1967) ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई। कुल मिलाकर, उन्होंने 70 से अधिक वृत्तचित्र और लघु फिल्में बनाई हैं।

बेनेगल ने 1992 में धर्मवीर भारती के एक उपन्यास पर आधारित सूरज का सातवां घोड़ा फिल्म बनाई, जिसने 1993 में हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। 1996 में उन्होंने फातिमा मीर की द अप्रेंटिसशिप ऑफ ए महात्मा पर आधारित पुस्तक द मेकिंग ऑफ द महात्मा पर आधारित एक और फिल्म बनाई। उनके जीवनी सामग्री की ओर इस मोड़ के परिणामस्वरूप नेताजी सुभाष चंद्र बोसः द फॉरगॉटन हीरो, उनकी 2005 में अंग्रेजी भाषा की फिल्म बनी। उन्होंने समर (1999) में बनी फिल्म में भारतीय जाति व्यवस्था की आलोचना की, जिसने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। बेनेगल की फिल्म मंडी (1983), राजनीति और वेश्यावृत्ति के बारे में एक व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी थी, जिसमें शबाना आजमी और स्मिता पाटिल ने अभिनय किया था। बाद में, 1960 के दशक की शुरूआत में गोवा में पुर्तगालियों के अंतिम दिनों पर आधारित अपनी कहानी पर काम करते हुए, श्याम ने त्रिकाल (1985) में मानवीय रिश्तों की खोज की। इन फिल्मों की सफलता के बाद, बेनेगल को स्टार शशि कपूर का समर्थन मिला, जिनके लिए उन्होंने जुनून (1978) और कलयुग (1981) बनाई। पहली फिल्म 1857 के भारतीय विद्रोह के अशांत काल के बीच की एक अंतरजातीय प्रेम कहानी थी, जबकि दूसरी महाभारत पर आधारित थी और यह बड़ी हिट नहीं थी, हालांकि दोनों ने क्रमशः 1980 और 1982 में फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीते।

हजारों अविस्मरणीय किरदार और जिंदगी की असंख्य सच्चाइयों को खोलती उनकी फिल्में भारतीय सिनेमा की एक अमूल्य धरोहर है।

एक समय ऐसा आया जब बेनेगल की फिल्मों को उचित रिलीज नहीं मिली। इसके चलते हुए उन्होंने टीवी की ओर रुख किया जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए यात्रा (1986) जैसे धारावाहिकों का निर्देशन किया और भारतीय टेलीविजन पर किए गए सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक, जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया पर आधारित 53-एपिसोड का टेलीविजन धारावाहिक भारत एक खोज (1988) का निर्देशन किया। इसी तरह टीवी सीरीयल संविधान,कहता है जोकर एवं कथा सागरका निर्देशन भी किया। इससे उन्हें एक अतिरिक्त लाभ हुआ, क्योंकि वे 1980 के दशक के अंत में धन की कमी के कारण नया सिनेमा आंदोलन के पतन से बचने में कामयाब रहे, जिसके साथ कई नव-यथार्थवादी फिल्म का निमार्ता खो गया। बेनेगल ने अगले दो दशकों तक फिल्में बनाना जारी रखा।

# संशोधन से चुनावी प्रक्रिया अधिक शंकास्पद

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

संविधान निमार्ता डॉ. बीआर अंबेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिये गये अपमानजनक वक्तव्य को लेकर जब संसद के दोनों सदनों में हंगामा मचा हुआ था, उसका फ ायदा उठाकर सरकार ने चुनावी प्रक्रिया सम्बन्धी इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के निरीक्षण अथवा सार्वजनिक करने को प्रतिबन्धित कर दिया। अब फुटेज, रिकॉर्डिंग आदि नहीं मांगे जा सकेंगे। यह संशोधन शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन में किया गया जिसका समापन 20 दिसम्बर को हुआ। ईवीएम पर पहले से अविश्वास जतलाया जा रहा है, अब चुनावी प्रक्रिया को यह संशोधन और भी शंकास्पद बनाता है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इस पर ऐतराज दिखा रहे हैं, जो वाजिब है। गौरतलब है कि हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी की आशंका पर वरिष्ठ अधिवक्ता महमूद प्राचा ने अक्टूबर 2024 को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिस पर 9 दिसंबर को अदालत ने चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक पोलिंग बूथ के वीडियोग्राफी, सीसीटीवी फुटेज और वोटों से जुड़े कागजात की प्रति श्री प्राचा को देने का आदेश दिया था। इसके लिए छह सप्ताह का वक्त दिया गया था। लेकिन चुनाव आयोग ने नियम में संशोधन की सिफारिश सरकार से की और कानून मंत्रालय ने 20 दिसम्बर को चुनाव नियमों में यह बदलाव किया है। हड़बड़ी में किए गए इस बदलाव से शंका उपजती है कि किसी गड़बड़ी को छिपाने के लिए संशोधन किए गए हैं।

बदले नियम के तहत सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ प्रत्याशियों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का भी सार्वजनिक निरीक्षण नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने यह बदलाव केन्द्रीय चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर किया है और इसका उद्देश्य इन दस्तावेजों या फुटेज के दुरुपयोग को रोकना बतलाया है। चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 (2)(ए) में यह संशोधन किया गया है। पहले नियम 93 हर किसी को सभी चुनावी दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण तथा उनकी सभी के लिये उपलब्धता का अधिकार देता था। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार यह संशोधन गोपनीयता के उल्लंघन को रोकने तथा इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों (रिकॉर्डिंग, फुटेज आदि) के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा दुरुपयोग को रोकने हेतु जरूरी है। इसकी जरूरत इसलिये भी बतलाई गयी कि इन दस्तावेजों, खासकर इलेक्ट्रॉनिक फुटेज का लाभ आतंकवाद से प्रभावित जम्मू-कश्मीर अथवा माओवाद से पीड़ित संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय तत्व उठा सकते हैं। आयोग के मुताबिक पिछले चुनावों से सम्बन्धित कई दस्तावेज उपलब्ध कराने हेतु निवेदन आये थे। अब ऐसे दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराये जायेंगे जिनका नियमों से सम्बन्ध या सन्दर्भ नहीं है।

कहने को तो निर्वाचन आयोग ने यह सिफारिश उनका दुरुपयोग रोकने के लिये की है परन्तु सर्वज्ञात है कि मौजूदा चुनाव आयोग के सारे काम-काज और नियम-कायदे पूरी तरह से सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में किये जाते हैं। इसलिये यह कदम भी गहरे संदेह के घेरे में आ गया है। आयोग की विश्वसनीयता पहले ही इतनी गिर चुकी है कि इसे भाजपा की जेब में रखा माना जाता है। उसका आचरण पिछले कुछ वर्षों से अत्यंत पक्षपाती और मनमाना रहा है। अनेक ऐसे मुद्दे रहे हैं जिनमें निर्वाचन आयोग के सारे फैसले भाजपा के पक्ष हुए हैं। आरोप लगते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में बने रहने के लिये आयोग को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले रखा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार पर भी उंगलियां उठती हैं कि उन की भूमिका और मंशा सिर्फ भाजपा को लाभ देने की रहती है। इस संवैधानिक संस्था की ताकत व महत्व को समझकर मोदी सरकार ने एक संशोधन यह किया कि मुख्य आयुक्त का चयन करने वाले पैनल से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। अब इसमें केवल प्रधानमंत्री, एक केन्द्रीय मंत्री तथा विपक्ष के नेता हैं। स्वाभाविक है कि सरकार की मर्जी का ही व्यक्ति इस पद पर बैठ सकेगा। फिर, दो अन्य आयुक्तों को भी पूर्णतः शक्तिविहीन कर दिया गया है। वे नाममात्र के सदस्य बनकर रह गये हैं।

मुख्य आयुक्त का फैसला ही अंतिम होगा। चुनावी प्रक्रिया को अपारदर्शी और पक्षपाती बनाने के एक नहीं सैकड़ों उदाहरण हाल के वर्षों में देखे गये। विधानसभाओं के चुनाव हों या लोकसभा के, चुनाव आयोग का काम केवल विरोधी दलों के खिलाफ मामले बनाना तथा भाजपा व उसके सहयोगी गठबन्धनों को क्लीन चिट देना रह गया है।

# योगी ने किया आकाशवाणी के एफएम चैनल 'कुम्भवाणी' का शुभारंभ

**एजेंसी**

**महाकुम्भ नगर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को सर्किट हाउस में महाकुम्भ के अवसर पर प्रसार भारती के एफएम चैनल कुम्भवाणी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एफएम चैनल के सफल होने की आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा विश्वास है कि यह एफएम चैनल न सिर्फ लोकप्रियता की नई ऊंचाई हासिल करेगा, बल्कि महाकुम्भ को दूरदराज के उन गांवों तक भी ले जाएगा जहां लोग चाहकर भी यहां नहीं पहुंच पाते हैं। उन लोगों तक इन सुविधाओं के माध्यम से हम महाकुम्भ की हर जानकारी पहुंचाएंगे। योगी ने कहा कि दूर दराज में रहने वालों के लिए इस तरह का सजीव

प्रसारण कर पाएंगे तो उनको भी सनातन गौरव के इस महासमागम को जानने, सुनने और आने वाली पीढ़ी को बताने का अवसर प्राप्त होगा। सीएम ने कुम्भवाणी चैनल शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूचना प्रसारण मंत्रालय व प्रसार भारती को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वास्तव में लोक परंपरा और लोक संस्कृति को आम जन तक पहुंचाने के लिए हमारे पास जो सबसे पहले माध्यम था वो आकाशवाणी ही था। मुझे याद है कि बचपन में हम आकाशवाणी के माध्यम से उस समय प्रसारित होने वाले रामचरित मानस की पंक्तियों को बड़े ध्यान से सुना करते थे। समय के अनुरूप तकनीक बढ़ी और लोगों ने विजुअल माध्यम से भी दूरदर्शन के माध्यम से सचित्र उन दृश्यों को देखना प्रारंभ किया। बाद में निजी क्षेत्र के भी कई चैनल आए, लेकिन समय की इस प्रतिस्पर्द्धा के अनुरूप खुद को तैयार करना और दूरदराज के क्षेत्रों में जहां पर कनेक्टिविटी के इश्यू होते हैं वहां पर बहुत सारी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए प्रसार भारती के एफएम चैनल ने 2013, 2019 और अब 2025 में भी कुम्भवाणी के नाम पर इस विशेष एफएम चैनल को शुरू करने की कार्यवाही प्रारंभ की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सनातन गौरव और गर्व का एक महाआयोजन है, एक महासमागम है। जिसको सनातन धर्म के गौरव और गरिमा को देखना हो तो वो कुम्भ का दर्शन करे, यहां आकर अवलोकन करे। जो लोग एक संकीर्ण दृष्टि से सनातन धर्म को देखते हैं, साम्प्रदायिक मतभेद, भेदभाव या छुआछूत के नाम पर लोगों को बांटने का काम करते हैं उन लोगों को आकर देखना चाहिए कि यहां पर न पंथ का भेद है, न जाति का भेद है, न छुआछूत है, न कोई लिंग का भेद है। सभी पंथ और सम्प्रदाय एक साथ एक ही जगह स्नान करते हैं। सभी लोग एक जगह आकर आस्था की डुबकी लगाकर सनातन गर्व के संदेश को पूरे देश और दुनिया तक लेकर जाते हैं।

## अन्ना हजारे को धोखा दिया, केजरीवाल सबसे बड़े धोखेबाज : गिरिराज सिंह

**एजेंसी**

**बेगुसराय ।** केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बातचीत के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल खुद धोखेबाज हैं, उनसे बड़ा फर्जी कौन हो सकता है जिसने अन्ना हजारे को भी धोखा दिया।

दरअसल, केजरीवाल द्वारा बिहार और यूपी के लोगों को फर्जी वोटर कहे जाने पर गिरिराज सिंह ने प्रतिक्रिया दी। गिरिराज सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल, जिन्हें फर्जी वोटर बता रहे हैं, उनके दम पर ही वह मुख्यमंत्री बने हैं। केजरीवाल ने इससे पहले भी पूर्वांचल के लोगों को गाली देने का काम किया। केजरीवाल ने कहा था कि यूपी-बिहार के लोग 500 रुपये का टिकट लेकर यहां पर इलाज कराने के लिए आ जाते हैं। केजरीवाल जिस थाली में खाते हैं, उसमें छेद करते हैं। वह खुद फर्जी हैं। दिल्ली में अगर

बिहार-यूपी के लोग आते हैं, तो उनका दिल्ली के विकास में योगदान है। जिसने अन्ना हजारे को नहीं बख्शा, वह दूसरों को फर्जी बता रहे हैं।बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने 9 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा किया। पोस्ट में लिखा कि दिल्ली में चुनाव के नाम पर स्कैम हो रहा है। बीजेपी बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर रही है। स्थानीय चुनाव अधिकारियों ने बीजेपी के सामने घुटने टेक दिए हैं। आज चुनाव आयोग से मिलकर शिकायत की है। अगर चुनाव आयोग ने तुरंत कार्रवाई नहीं की, तो दिल्ली में लोकतंत्र की हत्या हो जाएगी। आम आदमी पार्टी के नेताओं का दावा है कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पूर्वांचलियों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या कहते हैं। बीजेपी लगातार उनके वोट कटवा रही है। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने पूर्वांचलियों को मंत्री, सांसद और विधायक बनाया। उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा दी, कच्ची कॉलोनियों में सड़कें बनवाई हैं।

## आप ने पोस्टर शेयर कर भाजपा नेताओं को बताया 'गालीबाज दानव', बीजेपी बोली- पूर्वांचल विरोधी हैं केजरीवाल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** दिल्ली में विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच राजनीतिक दलों के बीच पोस्टर वॉर जारी है। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को एक नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में उन्होंने बीजेपी नेताओं को गालीबाज बताया है। आम आदमी पार्टी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्टर शेयर किया है। उन्होंने पोस्टर को कैप्शन दिया, भाजपा के गालीबाज दानवों से दिल्ली रहे सतर्क। इस पोस्टर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वीरेंद्र सचदेवा, विजेंद्र गुप्ता, प्रवेश वर्मा, मनोज तिवारी, रमेश बिधूड़ी की तस्वीर लगाई गई है। इस पोस्टर को 'गालीबाज दानव' नाम दिया गया है।वहीं, आम आदमी पार्टी के पोस्टर के जवाब में भाजपा ने भी पलटवार

किया है। दिल्ली भाजपा ने अपने एक्स अकाउंट पर अरविंद केजरीवाल की एक हंसती हुई तस्वीर को शेयर किया। उन्होंने 'आप' को पूर्वांचल विरोधी बताया है। भाजपा ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, पूर्वांचल समाज का अपमान, शीशमहल के नवाब केजरीवाल की पहचान। इतना ही नहीं, पोस्टर में लिखा गया है कि पूर्वांचलियों का दुश्मन, पूर्वांचलियों को फर्जी बताया, कोरोना में उन्हें भगाया। जब भी मिला मौका महाठग ने उनका मजाक उड़ाया। इसके अलावा भाजपा ने अपने एक अन्य पोस्ट में आम आदमी पार्टी पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, महाठग ने दिल्लीवासियों को लंदन का झूठा सपना दिखाकर ठग लिया। अब दिल्ली से आप-दा जाएगी, भाजपा आएगी। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर होर्डिंग्स लगवाए थे, जिसमें भाजपा से मुख्यमंत्री के नाम को लेकर सवाल पूछा गया है। साथ ही उसे गाली-गलौज पार्टी भी बताया था।

## तेलंगाना सड़क दुर्घटना में चार की मौत

**एजेंसी**

**सूर्यापेट।** तेलंगाना के सूर्यापेट जिले के इलापुरम में सूर्यापेट-खम्मम राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के एक निजी ट्रैवल बस के एक खड़ी लॉरी से टकरा जाने से दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए।पुलिस के अनुसार दुर्घटना तड़के तब हुई जब बस ओडिशा से हैदराबाद जा रही थी। तभी एक बस एक खड़ी लॉरी से टकरा गयी। इसमें चार लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। मृतक मजदूर बताये गये है और ओडिशा के रहने वाले थे। घायलों को इलाज के लिए पास के एरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

## सत्ता गंवाने के भय से मानसिक संतुलन खो चुके हैं केजरीवाल: सचदेवा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी की ओर से भाजपा के खिलाफ जारी किये गये पोस्ट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा है और कहा है कि श्री केजरीवाल सत्ता जाने के भय से मानसिक संतुलन खो चुके हैं। श्री सचदेवा ने शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित किया। इस मौके पर पार्टी प्रवक्ता शुभेनदू शेखर अवस्थी और यासिर जिलानी भी उपस्थित थे। श्री सचदेवा ने कहा कि श्री केजरीवाल को अपनी अंतर आत्मा की आवाज़ सुनाई दे रही है, जो उनसे

कह रही की दिल्ली की सत्ता अब उनसे दूर हो रही हैं। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल के कल शाम पूर्वांचल के लोगों को नकली वोटर बताया था, जिससे उनके मन का वो काला सच फिर से सामने आया, जो पहली बार 2019 में नजर आया था। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल को जेल से बेल तो मिल गई, लेकिन उसी दिन से उनकी राजनीतिक शख्सियत खत्म हो गई है। भाजपा नेता कहा, सत्ता खोने का बदला केजरीवाल जी आप दिल्ली वालों से ले रहे हैं, केजरीवाल जी आप भाजपा को कोस लीजिए, लेकिन प्लीज दिल्ली में तनाव ना फैलाईये, दिल्ली का विकास रोक कर, खजाना लूट कर आपने बहुत नुकसान कर दिया है। अब दिल्ली का सामुदायिक सौहार्द ना बिगाड़ो भाई।उन्होंने कहा कि कुर्सी नाटक से आज सुबह जारी एक घटिया पोस्टर तक आपने गत चार माह में हर सुबह दिल्ली भाजपा को कोसा है, लेकिन श्री केजरीवाल जी दिल्ली अब और यह नहीं सह पायेगी। उन्होंने कहा, श्री केजरीवाल आपका आज का पोस्टर आपके चरित्र को, आपकी हताशा को दर्शाता है। भाजपा इसकी निंदा करती है और थोड़ी भी नैतिकता बची हो, तो इसको वापस लीजिए। उन्होंने कहा कि गत 13 सितंबर को उच्चतम न्यायालय की ओर से सख्त शर्तों के साथ एक कागज़ी मुख्यमंत्री के रूप में जेल से बाहर आये श्री केजरीवाल ने उसी दिन इस्तीफा ना देकर अपनी राजनीतिक आत्महत्या की ली थी।

## समलैंगिक विवाह- सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2023 के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिकाएं की खारिज

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** उच्चतम न्यायालय समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने से इनकार करने के अपने फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिकाएं खारिज कर दी हैं।न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की संविधान पीठ ने यह कहते हुए कि उन्हें अपने पिछले फैसले में रिकॉर्ड पर कोई त्रुटि नहीं दिखी, समीक्षा करने से इनकार कर दिया।

याचिकाओं में उच्चतम न्यायालय की समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने से इनकार करने वाले 17 अक्टूबर, 2023 के फैसले की समीक्षा की मांग की गई थी। चैंबर कार्यवाही के बाद गुरुवार अपने आदेश

में पीठ ने कहा, ÷हमने न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट (पूर्व न्यायाधीश) द्वारा खुद और न्यायमूर्ति हिमा कोहली (पूर्व न्यायाधीश) द्वारा दिए गए फैसलों और हममें से एक (न्यायमूर्ति नरसिम्हा) द्वारा दिए गए फैसलों की गई सहमति वाली राय को ध्यान से पढ़ा है, जो बहुमत का मत है। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि दोनों फैसलों में व्यक्त किया गया मत कानून के अनुसार है। इनमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने कहा, इस आधार पर पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज किया जाता है। न्यायालय ने समीक्षा याचिकाओं को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने के लिए एक आवेदन को भी खारिज कर दिया। इस मामले से संबंधित याचिकाओं पर न्यायाधीशों के कक्षों में विचार किया गया।शीर्ष अदालत के नियमों के अनुसार, समीक्षा याचिकाओं पर न्यायाधीशों द्वारा दस्तावेजों के प्रसार और अधिवक्ता की उपस्थिति के बिना न्यायाधीश कक्षों में विचार किया जाता है। शीर्ष अदालत ने पहले ही समीक्षा याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

## मिडिल क्लास परिवार के लिए बनाई गई अमृत भारत ट्रेन : अश्विनी वैष्णव

**एजेंसी**

**चेन्नई ।** केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को चेन्नई में स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वंदे भारत रेक, अमृत भारत ट्रेन के डिब्बों और विस्टाडोम डाइनिंग कार का निरीक्षण किया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बातचीत में कहा, अमृत भारत ट्रेन को हमारे लो इनकम वर्ग के परिवारों के लिए विशेष तौर पर डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने दो ट्रेन पिछले साल जनवरी में लॉन्च भी की थीं। उसके अनुभव के आधार पर अमृत भारत का वर्जन-2 डिजाइन किया गया है, जिसमें बहुत सारे नए फीचर भी शामिल किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, अमृत भारत के वर्जन-2 में कपलिंग पर ध्यान दिया गया है। इसके अलावा

पैंट्री कार बनाई गई है और बर्थ्स की डिजाइन को पूरी तरह से चेंज किया गया है। साथ ही एयर विंडो के डिजाइन को भी बदला गया है। इसके अलावा ट्रेन में मोबाइल होल्डर, चार्जिंग प्वाइंट, विंडो को खोलने-बंद करने पर भी ध्यान दिया गया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, वंदे भारत में पहले से ही यह सुविधा मौजूद है। इसलिए वंदे भारत की तर्ज पर अमृत भारत को भी उसके मुताबिक ही डिजाइन किया जा रहा है। हमारी सरकार का पूरा फोकस गरीब और मिडिल क्लास परिवार पर है, जो इन ट्रेनों में सफर कर पाएं। अमृत भारत भारतीय रेलवे द्वारा संचालित एक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन है। यह एक स्लीपर ट्रेन है, यह पुश-पुल तकनीक पर आधारित ट्रेन है। इसके दोनों तरफ इलेक्ट्रिक इंजन लगे हुए हैं, जिसमें 22 कोच हैं।

## सर्च ऑपरेशन में हथियार और गोला-बारूद बरामद

**काकचिंग (मणिपुर)।** मणिपुर के काकचिंग जिले के हियांगलाम थाना क्षेत्र के सेबमैजिन हंगूल मयाई लीकाई क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में 7.62 एसएलआर (बिना मैगजीन), एसबीबीएल गन, देशी 9 मिमी पिस्टल (मैगजीन सहित), देशी .32 पिस्टल, तीन 36 हैंड ग्रेनेड और दो आर्मिंग रिंग (डिटोनेटर के बिना), ट्यूब लॉन्चिंग, तीन 9 मिमी लाइव गोलियां, दो 12 बोर कारतूस, 10 एके राइफल के फायर किए गए खाली केस, दो सामान्य स्टन शेल, एक टियर स्मोक शेल, एक टियर गैस ग्रेनेड, एक स्टन ग्रेनेड, एक केनवुड वायरलेस सेट, एक पॉवर लिंक सोलर नैनो रॉयल टॉर्च, दो बीपी कवर (वेस्ट), टैक्टिकल बूट्स दो जोड़ी, एक बीपी हेलमेट शामिल हैं।

## मेरठ में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या

**एजेंसी**

**मेरठ।** उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के लिसाड़ी गेट के सुहेल गार्डन क्षेत्र में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी गयी।पुलिस के अनुसार मोइन, उनकी पत्नी अस्मा और उनकी तीन छोटी बेटियों के शव गुरुवार देर रात 15 फुटा रोड स्थित उनके घर के अंदर पाए गए। इस दुखद वारदात का पता उस समय चला, जब पड़ोसियों और रिश्तेदारों को सारा दिन घर के दरवाजे बंद रहने पर अनहोनी की आशंका हुयी जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया। पांचों सदस्यों के शव बेड में पड़े मिले। पुलिस की प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि हत्या की वारदात संभवतः संपत्ति को लेकर पारिवारिक विवाद के कारण की गयी है। मोइन ने हाल ही में एक प्लॉट खरीदा था और अपने मकान का निर्माण शुरू किया था। पुलिस ने परिवार के 20 सदस्यों से पूछताछ की और खुलासा किया कि संपत्ति के स्वामित्व को लेकर आंतरिक मतभेद के कारण यह घातक घटना घटी होगी।

मूल रूप से रुड़की का रहने वाला यह परिवार अपने पैतृक गांव में जमीन

बेचने के बाद यहां लिसाड़ी गेट क्षेत्र के सुहेल गार्डन में आकर बस गया था। मोइन और अस्मा की शादी को दस साल हो गए थे और उनकी तीन बेटियाँ थीं, नौ वर्षीय अक्सा, तीन वर्षीय अजीज़ा और एक वर्षीय अलीज़ाबा। अस्मा मोइन की तीसरी पत्नी थीं, जबकि यह उनकी दूसरी शादी थी।

## एचएमपीवी को लेकर सिक्किम सरकार ने जारी की हेल्थ एडवाइजरी

**एजेंसी**

**गंगटोक ।** चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के कारण इस बीमारी के मामले बढ़ रहे है। मामलों में बढ़ोतरी से संबंधित हालिया रिपोर्टों के मद्देनजर सिक्किम सरकार ने स्थिति पर बारीकी से नजर रखने के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। सिक्किम चीन के साथ लगभग 200 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, क्योंकि यह उत्तर और पूर्वोत्तर में तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र से घिरा हुआ है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुख्य सचिव ने हाल ही में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के साथ बैठक की, ताकि वर्तमान खतरे का आकलन किया जा सके और राज्य की तैयारियों की समीक्षा की जा सके। अधिकारी ने कहा कि बैठक में वायरस के विभिन्न पहलुओं और इसके संक्रमण के तरीके के साथ-साथ इसके संक्रमण की चपेट में आने पर होने वाले लक्षणों पर बात की गई। अधिकारी ने कहा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि उपलब्ध

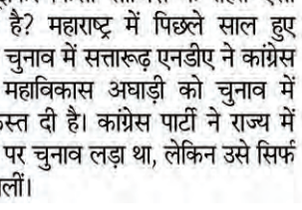

डेटा से पता चलता है कि वायरस भारत में कोई असामान्य प्रवृत्ति या गंभीर प्रकोप पैदा नहीं कर रहा है।उन्होंने कहा कि लोगों को सलाह दी जाती है कि वे निवारक उपायों का पालन करें और ऐसे किसी भी लक्षण का अनुभव होने पर निकटतम स्वास्थ्य पेशेवरों से परामर्श करें। बता दें कि एचएमपीवी की पहली बार 2001 में नीदरलैंड में पहचान की गई थी और तब से दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में इसका पता चला है।

## दिल्ली एनसीआर में छाया घना कोहरा, कई उड़ानें और ट्रेनें प्रभावित

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** शीतलहर के बीच शुक्रवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घने कोहरे ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। घने कोहरे के कारण सड़कों पर गाड़ियां रेंगती दिखाई दी। कुछ हिस्सों में घने कोहरे की चादर छाने से दृश्यता शून्य हो गई है। कड़ाके की सर्दी के साथ घने कोहरे के बीच दिल्ली की हवा भी खराब स्थिति में पहुंच गई है। इसीलिए ग्रेप 3 की पाबंदियां फिर से लागू हो गई हैं। जानकारी के मुताबिक दिल्ली आने-जाने वाली ट्रेनों और उड़ानों पर भी घने कोहरे का असर दिखने को मिल रहा है। करीब 26 ट्रेनें देर से चल रही है। शुक्रवार को दिल्ली एनसीआर में आंशिक रूप से भी बादल छाए रहने की संभावना है। दिल्ली का न्यूनतम

तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार से दो दिन के लिए घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा शनिवार रात के समय बारिश का अनुमान जताया है।

कई उड़ाने भी रही प्रभावित

आज सुबह दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे कई इलाकों में दृश्यता शून्य हो गई। इसके कारण 150 से अधिक उड़ानें तथा लगभग 26 ट्रेनें विलंबित हुईं। विमानन वेबसाइट फ्लाइटरडार 24 ने बताया कि उड़ानों में औसतन 41 मिनट की देरी हुई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने आज सुबह एक अपडेट में कहा कि घने कोहरे के कारण उड़ानों का प्रस्थान प्रभावित हुआ है।

रविवार को हो सकती है बारिश

पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली में रविवार को बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में शुक्रवार और शनिवार को घना कोहरा छाया रहेगा। रविवार को बारिश होने की संभावना है। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। प्रदूषण का स्तर में बढ़ोतरी, एक्यूआई 409 दर्जठंड, कोहरे के साथ दिल्ली में प्रदूषण की मार भी लोगों को झेलनी पड़ रही है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 350 के पार पहुंचने के कारण सी एक्यूएम ने ग्रेप तीन की पाबंदियां लागू की दी। शुक्रवार को एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया। माना जा रहा है कि आयोग ग्रेप चार की पाबंदियां लागू कर सकता है।

## 'महाराष्ट्र चुनाव में सीटों के बंटवारे में देरी के कारण मिली हार'

**एजेंसी**

**नागपुर ।** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को मिली करारी हार के बाद गठबंधन में उथल पुथल मची है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने विधानसभा चुनाव की हार का ठीकरा संजय राउत और नाना पटोले पर फोड़ा है।

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ÷विधानसभा में हार के बहुत सारे कारण हैं, लेकिन एक कारण ये भी है कि नाना पटोले और संजय राउत ने सीट शेयरिंग में देरी की और दो सप्ताह से अधिक समय तक इस पर चर्चा चलती रही। विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर देरी हुई और इसलिए हम हारे। अगर समय पर सीटों का बंटवारा होता तो हमें प्रचार का समय मिलता, जो नहीं मिल पाया। विधानसभा चुनाव में हार का एक बड़ा कारण सीटों के बंटवारे में देरी है। उन्होंने आगे कहा, नाना पटोले और संजय राउत इस बैठक में शामिल थे। मीटिंग का समय 11 बजे तय होता था, लेकिन नेता 2 बजे आते थे और इसी कारण बैठकें लंबी हो गईं। इसका असर ऐसा पड़ा कि नेता एक जगह से दूसरी जगह जाकर भी प्रचार नहीं कर पाए। अगर यह मीटिंग दो दिन में खत्म हो जाती तो हमारे पास समय होता। क्या जानबूझकर किसी साजिश के तहत ऐसा किया गया है? महाराष्ट्र में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए ने कांग्रेस पार्टी और महाविकास अघाड़ी को चुनाव में करारी शिकस्त दी है। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में 103 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे सिर्फ 16 सीटें मिलीं।

## सीएम फडणवीस ने उच्चस्तरीय बैठक में की 19 योजनाओं की समीक्षा : एकनाथ शिंदे

**एजेंसी**

**मुंबई ।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शाम एक उच्च स्तरीय बैठक कर करके प्रदेश में आगामी 19 महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंत्रालय स्थित मुख्यमंत्री वॉर रूम में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य की महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में इन परियोजनाओं में तेजी लाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई और परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक्स% पर पोस्ट करते हुए लिखा, राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण

और शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बीच उचित संतुलन बनाए रखते हुए महाराष्ट्र का समग्र विकास करना है। इसके माध्यम से सरकारी नीतियों के माध्यम से सभी भागों में विकास के समान अवसर पैदा किए जाने चाहिएमुख्यमंत्री फडणवीस ने पालघर जिले में वधान बंदरगाह के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। शिंदे ने एक्स पर लिखा, विदर्भ और मराठवाड़ा में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए वैनगंगा-नलगंगा नदी लिंक परियोजना का सर्वेक्षण, वर्धा-नांदेड़ रेलवे लाइन और वडसा-गढ़चिरौली परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण, तुलजापुर मंदिर विकास योजना प्रस्ताव, छत्रपति संभाजीनगर जलापूर्ति योजना, विरार-अलीबाग मल्टी-लेवल परियोजना का सर्वेक्षण। मॉडल कॉरिडोर, मुला-मुथा नदी संरक्षण, साइट प्रस्ताव, बीडीडी चॉल पुनर्विकास, मुंबई मेट्रो परियोजना और पालघर हवाई अड्डे के लिए सलाहकारों की नियुक्ति जैसी विभिन्न सार्वजनिक उपयोगिता परियोजनाओं और योजनाओं पर इस बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने लिखा, बैठक में मुंबई सहित राज्य भर में मेट्रो, रेलवे, राजमार्ग, हवाई अड्डे, बंदरगाह, सिंचाई, जलापूर्ति, स्वच्छता और पर्यटन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कुल 19 महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

# एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

**बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।**

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

## यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

## ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

## अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडेंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

## जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

## अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

## वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

**पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-**

**1. अनुचित डाइट प्लैन:** आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।

**2. ब्रेकिगं प्वांइट:** यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

**3. व्यायाम की सही योजना:** अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।

**4. कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण:** वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।

**5. हार्मोनल असंतुलन:** अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

## दक्षिण अफ्रीकी खेल मंत्री ने अफगानिस्तान क्रिकेट के बहिष्कार के आह्वान का किया समर्थन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कई ब्रिटिश राजनेताओं द्वारा इंग्लैंड से अगले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने की अपील के बाद, दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गेटन मैकेंजी ने भी महिलाओं के अधिकारों पर तालिबान सरकार की कार्रवाई का हवाला देते हुए बहिष्कार का समर्थन किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, अन्य देशों के महासंघों और आईसीसी को इस बारे में सावधानी से सोचना होगा कि क्रिकेट खेल दुनिया को क्या संदेश देना चाहता है, और खासकर खेल में महिलाओं को। खेल मंत्री के तौर पर यह अंतिम निर्णय लेना मेरे लिए नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका को अफगानिस्तान के खिलाफ क्रिकेट मैचों का सम्मान करना चाहिए या नहीं। अगर यह मेरा फैसला होता, तो निश्चित रूप से मैं खेलने से रोकता। उन्होंने कहा, मेरे लिए एक ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो ऐसी जाति से आता है, जिसे रंगभेद के दौरान खेल के अवसरों तक समान पहुंच की अनुमति नहीं थी, आज जब दुनिया में कहीं भी महिलाओं के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है, तो इस पर आंखें मूंद लेना पाखंड और अनैतिक होगा।

## आयरलैंड के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए शैफाली निश्चित तौर पर हमारी योजना में: स्मृति मंधाना

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि पिछले साल खराब फार्म के कारण टीम से बाहर हुई सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा निश्चित रूप से योजना में हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही शैफाली की टीम में वापसी होगी। मंधाना फिलहाल हरमनप्रीत कौर की अनुपस्थिति में भारतीय टीम का नेतृत्व कर रही हैं, जिन्हें आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर के साथ आराम दिया गया है। श्रृंखला के उद्घाटन से पूर्व स्मृति मंधाना ने कहा कि ÷हरमन को आराम दिया गया है और यह बहुत स्पष्ट था। शैफाली पिछली दो-तीन वनडे श्रृंखला में टीम का हिस्सा नहीं रही हैं। पिछली श्रृंखला में प्रतीका (रावल) ने उनकी अनुपस्थिति में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शैफाली ने घरेलू क्रिकेट में बहुत रन बनाए हैं। इसलिए, वह निश्चित रूप से हमारी योजना में है। मैं वास्तव में खुश हूं कि वह वापस गई और रन बनाए। मंधाना ने कहा कि टीम उनके पास मौजूद संसाधनों से अच्छा प्रदर्शन करने को उत्सुक है। उन्होंने कहा ÷हमें एक टीम के रूप में सकारात्मक चीजों पर फोकस करना है। हमारे पास क्या नहीं इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। हमारे पास एक संतुलित टीम है। जो लड़कियां आई हैं वे भी अच्छी हैं।

## रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग: कांग सिंग्स ने दर्ज की ऐतिहासिक 9-0 की जीत, बिना हारे सेमीफाइनल में पहुंचे

**लेह।** डिफेंडिंग चैंपियंस कांग सिंग्स ने रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2 के सेमी-फाइनल में जगह पक्की कर ली, जब उन्होंने यूनाइटेड नुबरा को 9-0 से हराकर सीजन की अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। कप्तान मुश्ताक अहमद के चार गोलों की मदद से कांग सिंग्स ने यह शानदार जीत हासिल की। महिला श्रेणी में, डिफेंडिंग चैंपियंस मरीयूल स्पामो ने शम ईगल्स को 2-0 से हराकर सेमी-फाइनल में अपनी जगह बनाई। उनके साथ सेमी-फाइनल में चांगला लामोस, हुमा क्वीन्स और शम ईगल्स भी शामिल होंगी। इसी बीच, पुरुषों की श्रेणी में अंतिम सेमी-फाइनलिस्ट की पुष्टि अंतिम ग्रुप स्टेज दिन पर होगी। आज दिन में चांगला ब्लास्टर्स और शकर चिकतन रॉयल्स के बीच रोमांचक 2-2 का ड्रॉ भी देखने को मिला, जबकि पुरिग वारियर्स ने मरीयूल स्पावो को 2-0 से हराया, जिससे वे अपनी उम्मीदों को बनाए रख पाए। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2, यूटी प्रशासन लद्दाख और आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख के सहयोग से नांगवांग डोरजे स्टोबडन (एनडीएस) स्टेडियम, लेह में आयोजित की जा रही है।

## सीनियर नेशनल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप में भारतीय रेल बनी ओवरऑल चैम्पियन

**प्रयागराज।** उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेन्द्र चंद्र जोशी ने गुरूवार को सीनियर नेशनल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप में विजेता खिलाडियों को जीत की बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। सीपीआरओ शशि कांत त्रिपाठी ने बताया कि सूरत में आयोजित सीनियर नेशनल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप में भारतीय रेल की टीम ओवरऑल चैम्पियन बनी। इस टीम में उत्तर मध्य रेलवे के 3 खिलाडी थे। प्रतियोगिता में भारतीय रेल की टीम के हिस्से के रूप 6 पदक उत्तर मध्य रेलवे के खिलाडियों द्वारा जीते गए। इसके अतिरिक्त उत्तर मध्य रेलवे के अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्ट आशीष कुमार ने उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते हुए एक पदक जीता। खिलाडियों द्वारा जीते गए पदकों में उत्तर मध्य रेलवे के सिद्धार्थ वर्मा ने भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑल-अराउंड, वॉल्टिंग टेबल और हॉरिजॉन्टल बार्स, में रजत पदक तथा टीम चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। एनसीआर के आदित्य सिंह राणा ने भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑल अराउंड में हासिल किया तथा टीम चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उत्तर मध्य रेलवे के आशीष कुमार को उत्तर प्रदेश से चुना गया था और फ्लोर एक्सरसाइज में उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया।

# सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और बंसोड़ बाहर

एजेंसी

**कुआलालंपुर।** चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारतीय जोड़ी ने स्थानीय नूर मोहम्मद अजरीन और टैन वी कियोंग को हराकर मलेशिया ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं।आज यहां कुआलालंपुर के स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्थानीय नूर मोहम्मद अजरीन और टैन वी कियोंग को 45 मिनट तक चले मैच में 21-15, 21-15 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। वहीं भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणॉय को चीन के ली शी फिंग से 8-21, 21-15, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणॉय को पहले मुकाबले में चीनी खिलाड़ी ने एकतरफा मुकाबले में हराकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, इसके बाद भारतीय शटलर ने वापसी करते हुए दूसरे गेम को अपने नाम

किया। तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। 1-7 से पिछड़ने के बावजूद प्रणॉय ने गेम में वापसी की और स्कोर 15-15 की बराबरी पर ला दिया। करीबी मुकाबले में प्रणॉय ने जीत के लिए सभी प्रयास किए लेकिन चीनी खिलाड़ी ने खेल के आखिरी लम्हे में कुछ दमदार शॉट खेले और गेम को 23-21 से जीत लिया।महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को चीन की हान यू से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। 37 मिनट तक चले मुकाबले में मालविका 18-21, 11-21 से हार गई। इस बीच प्रतियोगिता की छठी वरीयता प्राप्त त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला महिला युगल जोड़ी को चीन की यी फैन जिया और शु जियान झांग से 21-15, 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद वह इस प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

मिश्रित युगल जोड़ी सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वारियाथ को शेवोन जेमी और गोह सून की स्थानीय जोड़ी के हाथों निराशा हाथ लगी। भारतीय जोड़ी को 10-21,17-21 से हार का सामना करना पड़ा। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने से चूक गई। ध्रुव और तनीषा की जोड़ी को सातवीं वरीयता प्राप्त झांग ची और चेंग झी की चीनी जोड़ी से 13-21, 20-22 से हार मिली।

## कलिंगा लांसर्स ने गोनासिका पर 2-1 से हराया

एजेंसी

**राउरकेला।** वेदांता कलिंगा लांसर्स ने हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के मैच में टीम गोनासिका को 2-1 से

हराकर इस सीजन की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आज यहां राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में गोनासिका के लिए एसवी सुनील ने (14वें) मिनट में गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोनासिका इस बढ़त को अधिक देर तक कायम नहीं रख सके। एंटोनी किना ने कलिंगा लांसर्स के लिए (28वें) मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। पहले हॉफ में दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया। इसके बाद दूसरे हॉफ में एरन जालेव्स्की ने अपनी टीम लांसर्स के लिए (33वें) मिनट में गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों को गोल करने के कई मौके मिले लेकिन वे उसे भुनाने में विफल रही। अंत- कलिंगा लांसर्स ने 2-1 से मुकाबला जीत लिया।

# फ्रेजर, ग्लासगो बंगलादेश श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल

एजेंसी

**सेंट किट्स।** ऑलराउंडर चेरी-एन फ्रेजर और अनकैप्ड तेज गेंदबाज जैनिलिया ग्लासगो को बंगलादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले छह सफेद गेंद के मुकाबलों के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय महिला टीम में शामिल किया गया है।

19 जनवरी से शुरु होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों और उसके बाद तीन टी-20 मैचों की की सीरीज होगी। सभी मैच सेंट किट्स खेले जायेंगे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज के अनुसार अनुभवी ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर के बिना ही खेलेगा, जो अभी भी घुटने की चोट से उबर रही हैं। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच शेन डेइट्ज ने कहा, बंगलादेश का दौरा हमारी तैयारी के लिए एक आदर्श समय पर हुआ है। वे एक कुशल टीम हैं और यह श्रृंखला हमें अपनी टीम की गहराई को जांचने और वेस्टइंडीज क्रिकेट के अपने आक्रामक, तेजतर्रार ब्रांड को लागू

करने का एक शानदार अवसर है। बंगलादेश दौरे के लिए वेस्टइंडीज की एकदिवसीय और टी-20 महिला टीम इस प्रकार है:- हेली मैथ्यूज (कप्तान), शमीन कैम्पबेले (उप-कप्तान), आलियाह एलीने, नेरिसा क्राफ्टन, डिएंड्रा डॉटिन, एफी फ्लेचर, शबिका गजनबी, चिनेल हेनरी, जैदा जेम्स, कियाना जोसेफ, मैंडी मंगरू, अश्मिनी मुनिसर, करिश्मा रामहरैक, चेरी एन फ्रेजर और जैनीलिया ग्लासगो।

# चोटिल कमिंस का चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर संशय

एजेंसी

**नई दिल्ली।** बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के दौरान टखने में लगी चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस का चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर संशय है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट (सीए) ने कहा कि चोटिल कमिंस श्रीलंका के दो टेस्ट मैचों के दौरे पर नहीं जायेंगे। इस दौरान वह पितृत्व अवकाश पर रहेंगे और आने वाले दिनों में उनके टखने का स्कैन किया जाएगा। स्कैन के बाद पता चल पायेगा कि वह 16 फरवरी से पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में टीम की अगुवाई करेंगे या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने आज यहां श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पैट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, वह पितृत्व अवकाश पर हैं। उनके टखने में हल्की चोट है।

अगले सप्ताह उनके टखने का स्कैन होगा इसके बाद ही उनकी चोट की स्थिति का पता चल सकेगा। उन्होंने कहा कि कमिंस चैंपियंस ट्रॉफी में खेल पायेंगे या नहीं इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। स्कैन की रिपोर्ट देखने के बाद ही फैसला किया जायेगा।उल्लेखनीय है कि चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरु होगी और ऑस्ट्रेलिया का पहला मैच 22 फरवरी को इंग्लैंड के साथ होगा।

# बंगाल को 72 रनों से हराकर हरियाणा विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

**बड़ौदा।** पार्थ वत्स (62 रन और तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी के प्री क्वार्टरफाइनल में बंगाल को 72 रनों से हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है।

हरियाणा के 298 रन के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बंगाल के लिए अभिषेक पोरेल और कप्तान सुदीप कुमार घरमी की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। सुमित कुमार ने सुदीप कुमार (36) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 18वें ओवर में अमित राणा ने अभिमन्यु ईश्वरन (10) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। अभिषेक पोरेल (57) को आदित्य कुमार ने आउट किया। बंगाल का चौथा विकेट अनुस्तुप मजुमदार (36) के रूप में गिरा। उन्हें पार्थ वत्स ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद नियमित अंतराल पर बंगाल के विकेट गिरते रहे।

सुदीप चटर्जी (14), करण लाल (28), प्रदीप्त प्रमाणिक (पांच), कौशिक माइती (छह), मोहम्मद शमी (दो), सायन घोष (चार) रन बनाकर आउट हुये। मुकेश कुमार 12 गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे। हरियाणा के गेंदबाजों ने बंगाल की पूरी टीम को 43.1 ओवर में समेट कर मुकाबला 72रनों से जीत लिया।

हरियाणा की ओर से पार्थ वत्स ने तीन विकेट लिये। अंशुल काम्?बोज और निशांत सिंधु ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। आदित्य कुमार, सुमित कुमार और अमित राणा को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां बंगाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा अर्श रंगा और हिमांशु राणा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। छठें ओवर में मुकेश कुमार ने अर्श रंगा (23) को आउटकर बंगाल को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद सातवें ओवर में मोहम्मद शमी ने हिमांशु राणा(14) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान कुमार (18) रन बनाकर कर आउट हुये। उन्हें कौशिक माइती ने आउट किया। पार्थ वत्स और निशांत सिंधु ने पारी को संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिए 84 रनों की साझेदारी हुई। 32वें ओवर में करण लाल ने पार्थ वत्स (62) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। निशांत सिंधु (64) को सायन घोष ने अपना शिकार बनाया। राहुल तेवतिया (29) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद तो मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार ने हरियाणा के बल्लेबाजों को पिच पर अधिक देर टिक ही नहीं दिया। दिनेश बाना (15), अंशुल काम्बोज (चार) को शमी ने आउट किया। अमित राणा (पांच) को मुकेश कुमार ने बोल्ड आउट किया। सुमित कुमार 32 गेदों में (41) रन बनाकर नाबाद रहे। हरियाणा की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 298 रन का स्कोर खड़ा किया।

बंगाल की ओर से मोहम्मद शमी ने तीन और मुकेश कुमार ने दो विकेट लिये। सायन घोष, प्रदीप्त प्रमाणिक, कौशिक माइती और करण लाल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने कोच सीन डाइचे को किया बर्खास्त

एजेंसी

**लंदन।** प्रीमियर लीग क्लब एवर्टन ने अपने कोच सीन डाइचे को बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने उक्त घोषणा की। क्लब ने एक बयान में कहा, एवर्टन फुटबॉल क्लब इस बात की पुष्टि करता है कि सीन डाइचे को तत्काल प्रभाव से सीनियर पुरुष टीम के प्रथम टीम मैनेजर के पद से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया कि डाइचे के सहायक इयान वोन, स्टीव स्टोन, मार्क हावर्ड और बिली मर्सर भी क्लब छोड़ कर चले गए हैं। डाइचे ने बोर्नमाउथ से 1-0 की हार के बाद अपना पद छोड़ दिया, जिससे एवर्टन प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर आ गया, हालांकि इस कदम का समय आश्चर्यजनक है, क्योंकि उसी शाम एवर्टन को एफए कप के तीसरे दौर में पीटरबोरो से खेलना है।पूर्व खिलाड़ी लीटन बैन्स, जो वर्तमान में एवर्टन की अंडर-18 टीम के कोच हैं, को अस्थायी रूप से प्रभारी बनाया गया है, क्लब ने घोषणा की है कि वह स्थायी प्रतिस्थापन की तलाश शुरू कर रहा है। 53 वर्षीय डाइचे ने फ्रैंक लैम्पार्ड की जगह लेने के बाद लगभग दो सीज़न के बाद पद छोड़ दिया, एवर्टन को रिलीगेशन ज़ोन में रखा गया और उन्होंने 2022-23 सीज़न में इसे सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया, पिछले सीज़न में 15वें स्थान पर रहा हालाँकि इस अभियान में एवर्टन का डिफेंस मज़बूत रहा है, लेकिन गोल करने में उसे संघर्ष करना पड़ा है, 19 लीग खेलों में उसने सिर्फ़ 15 बार गोल किया है। बर्खास्त किए जाने की घटना तब हुई जब फ्राइडकिन ग्रुप ने क्लब का अधिग्रहण पूरा कर लिया है, जो गर्मियों में 60,000 सीटों वाले नए स्टेडियम में स्थानांतरित हो जाएगा।

## चंबल मैराथन 12 जनवरी से, तैयारियां चरम पर

एजेंसी

**जालौन।** उत्तर प्रदेश में जालौन के पंचानंद क्षेत्र में जालौन: राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में चंबल संग्रहालय द्वारा आयोजित चंबल मैराथन का पांचवां संस्करण 12 जनवरी को आयोजित किया जाएगा।

इस अनूठी मैराथन की तैयारियां जोरों पर हैं, जिसमें प्रतिभागियों के जोश और आयोजन की भव्यता ने इसे खास बना दिया है। चंबल मैराथन की शुरुआत सुबह आठ बजे इटावा के डॉल्फिन सफारी, सहसो से होगी और यह पांच नदियों के संगम पंचनद पर समाप्त होगी। मैराथन का मार्ग बल्लो गढ़िया, हरके पुरा, चंबल आश्रम हुकुमपुरा, जायघा, मई, और जगम्मनपुर जैसे ऐतिहासिक स्थलों से गुजरते हुए न केवल धावकों को रोमांचित करेगा, बल्कि चंबल क्षेत्र के प्राकृतिक और सांस्कृतिक महत्व को भी उजागर करेगा। इस आयोजन में औरैया, इटावा, जालौन, भिंड, मुरैना, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा और अन्य क्षेत्रों के सैकड़ों धावक भाग लेंगे। चंबल संग्रहालय के महानिदेशक डॉ. शाह आलम राना ने बताया कि चंबल मैराथन का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना और चंबल के

बीहड़ी गांवों, प्राकृतिक सौंदर्य, और ऐतिहासिक महत्व को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। 42.195 किमी की इस मैराथन का रूट इटावा, भिंड, और जालौन जिलों के गांवों और जंगलों से होकर गुजरेगा। डॉ राना ने कहा, इस आयोजन के माध्यम से धावकों को चंबल अंचल की अनोखी विशेषताओं का अनुभव होगा। यहां की सरसों के पीले फूल, बलखाती नदियां, औषधीय पौधों से भरे जंगल, प्रवासी पक्षियों के झुंड, और मगरमच्छों व डॉल्फिन की अठखेलियां धावकों को एक अलग अनुभव प्रदान करेंगी। बीहड़ों से होकर गुजरने वाले इस मार्ग में प्रतिभागी उन स्थानों को देख सकेंगे, जो कभी डाकुओं और बागियों की शरणगाह हुआ करते थे। मैराथन का अंतिम पड़ाव पंचनद संगम, जहां चंबल, यमुना, सिंध, पहुंज और क्वारी नदियों का मिलन होता है, अपने आप में एक अद्वितीय स्थान है। चंबल मैराथन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है और विभिन्न राज्यों के धावकों में इसे लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। डॉ. राना ने बताया कि इस बार मैराथन को ऐतिहासिक बनाने के लिए कई नई पहल की गई हैं। धावकों को मार्ग में चंबल की खूबसूरती के साथ-साथ इस क्षेत्र की स्थानीय सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगीडॉ. राना ने कहा, चंबल मैराथन सिर्फ दौड़ने का कार्यक्रम नहीं है, यह प्रतिभागियों को चंबल की प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा से परिचित कराने का प्रयास है।

## दिनेश कार्तिक का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा : डेविड मिलर

एजेंसी

**केपटाउन।** पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की प्रशंसा की और कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज का अनुभव एसए20 सीजन 3 में फ्रेंचाइजी की मदद करेगा।एसए20 में डेविड मिलर की अगुआई वाली पार्ल रॉयल्स आज सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना सफर शुरू करेगी। एसए20 सीजन 3 से पहले आधिकारिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलर ने कहा कि रॉयल्स-आधारित फ्रैंचाइज़ी में कई नए चेहरे और रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। एसए20 रिलीज़ के अनुसार, मिलर ने कहा, मुझे लगता है कि इस साल हमारे पास कई नए चेहरे, कुछ रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं। हमारे पास कुछ बेहतरीन प्रतिभाएँ हैं, इसलिए उन्हें पाकर हम बहुत उत्साहित हैं। साथ ही एक नया कोच, ट्रेवर पेनी, जिसके पास ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा और जिम्बाब्वे के चार पासपोर्ट हैं। इसलिए वह काफी अनुभवी है और उसने यात्रा की है। वह कई सालों से दुनिया भर में कोचिंग और खेल रहा है, इसलिए उसे सेट-अप में पाकर बहुत अच्छा लगा।इस साल के एसए20 का एक मुख्य आकर्षण दिनेश कार्तिक का शामिल होना है, जो पार्ल रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। मिलर ने कहा, इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज जो रूट का अनुभव भी टी20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में फ्रैंचाइज़ी की मदद करेगा। और फिर, जाहिर है, दिनेश कार्तिक भी हैं। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में उनका अनुभव होना अच्छा है। कुल मिलाकर, खिलाड़ी वास्तव में अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रहे हैं।टूर्नामेंट 9 जनवरी 8 फरवरी तक चलेगा।

## केकेएफआई ने खो-खो विश्वकप के लिए भारतीय टीमों की घोषणा की

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) ने खो-खो विश्वकप 2025 के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीम की घोषणा की। यहां जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने 15-15 सदस्यीय पुरुष और महिला की टीमों की घोषणा की। इसके अलावा पुरुष और महिला टीम में तीन-तीन खिलाड़ी को अतिरिक्त खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। श्री मित्तल ने कहा, हमारी राष्ट्रीय टीमों का चयन खो-खो के लिए ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि हम पहली बार विश्व कप की मेजबानी करने जा रहे हैं। विश्व के 23 देशों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट वैश्विक मंच पर भारत की खेल विरासत को प्रदर्शित करेगा। हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमें देश भर से बेहतरीन प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं, पुरुष टीम की

अगुवाई प्रतीक वाइकर और महिला टीम का नेतृत्व प्रियंका इंगले करेंगी। दोनों टीमों को अनुभवी कोचिंग स्टाफ के साथ, उनके असाधारण प्रदर्शन करने के लिए आश्वस्त हैं। यह विश्व कप केवल एक टूर्नामेंट नहीं है, यह खो-खो के पारंपरिक भारतीय खेल से अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी आयोजन में विकास का प्रमाण है, जिसका लक्ष्य ओलंपिक स्तर तक पहुंचना है। उन्होंने बताया कि 2016 के एकलव्य पुरस्कार विजेता प्रतीक वायकर पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे। प्रतीक वायकर ने अपने पड़ोसी से प्रेरित होकर आठ साल की उम्र में खो-खो खेलना शुरू किया था। उन्होंने कंप्यूटर साइंस और फाइनेंस में डिग्री होने के बावजूद रूप से खो-खो को अपनाया और खेल कोटे के माध्यम से नौकरी हासिल की।

# घरेलू प्रशंसकों के साथ विजय परेड में शामिल होगी चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स

एजेंसी

**हिसार।** पटना पाइरेट्स को हराकर अपना पहला प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) खिताब जीतने वाली हरियाणा स्टीलर्स शनिवार विजय परेड निकालकर घरेलू प्रशंसकों के साथ अपनी सफलता को साझा करेगी। विजय परेड हिसार में जिंदल ओवरब्रिज पर सुबह साढ़े दस बजे से शुरू होगी। सभी खिलाड़ी, कोच और हरियाणा स्टीलर्स प्रबंधन सावित्री जिंदल के साथ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), हिसार में एकत्र होंगे और स्टीलर्स परिवार प्रशंसकों से बातचीत करेंगे। जहां प्रशंसकों को खिलाड़ियों से मिलने और उनके साथ सेल्फी लेने का भी मौका मिलेगा। हरियाणा स्टीलर्स टीम के हेड कोच मनप्रीत सिंह और कप्तान जयदीप दहिया तथा उप कप्तान राहुल सेठपाल के नेतृत्व में सहायक कोच नीर गुलिया तथा खिलाड़ी साहिल, विनय तेवतिया, शिवम अनिल पटारे, विशाल शिवशंकर टाटे, विकास रामदास जाधव,

नवीन, संस्कार मिश्रा, घनश्याम, आशीष गिल तथा संजय विजय परेड में मौजूद रहेंगे। इस दौरान विधायक सावित्री जिंदल, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक पार्थ जिंदल और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह जैसे विशिष्ट अतिथि भी समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद परेड एक बार फिर सड़क पर निकलेगी और शाम चार बजे रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में पहुंचेगी। यहां युवा कबड्डी प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स एमडीयू के साथ मिलकर अत्याधुनिक कबड्डी अकादमी की स्थापना की आधारशिला रखेगा। जीत के बारे में बात करते हुए जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह ने कहा, पीकेएल जीतना हमारे खिलाड़ियों की टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। हमें हरियाणा में ट्रॉफी लाने पर गर्व है और हम पूरे सीजन में हमारा समर्थन करने वाले प्रशंसकों के साथ अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं। हरियाणा में कबड्डी की गहरी जड़ें हैं और यह जीत राज्य की अपार प्रतिभा और खेल के प्रति प्रेम को दर्शाती है। हरियाणा स्टीलर्स के हेड कोच मनप्रीत सिंह ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, प्रो कबड्डी लीग का खिताब जीतना पूरी टीम के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह विजय परेड प्रशंसकों को धन्यवाद देने का हमारा तरीका है, हम उनके समर्थन के कारण ही ट्रॉफी हासिल कर पाए हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहेंगे कि हमारे पास सीजन दर सीजन जश्न मनाने के और भी कारण हों। हरियाणा स्टीलर्स के कप्तान जयदीप दहिया ने कहा, यह जीत हर उस प्रशंसक की है, जो हर मुश्किल समय में हमारे साथ खड़ा रहा। यह टीम और हरियाणा के लिए गर्व का क्षण है। हम विजय परेड के दौरान अपने समर्थकों से मिलने के लिए उत्साहित हैं और हरियाणा को गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहने का वादा करते हैं।

# भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने की कनाडा के अगले प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदारी की घोषणा

**नई दिल्ली।** कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने गुरुवार को प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। उन्होंने यह घोषणा कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद की। चंद्र आर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह कनाडा के अगले प्रधानमंत्री बनकर देश के पुनर्निर्माण और समृद्धि की दिशा में काम करना चाहते हैं।

चंद्र आर्य ने लिखा, "मैं कनाडा के अगले प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं, ताकि अपने देश का पुनर्निर्माण कर सकूं और भावी पीढ़ियों के लिए समृद्धि सुनिश्चित कर सकूं।" उन्होंने कहा कि कनाडा को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो बड़े और साहसिक निर्णय लेने से डरता न हो। आर्य ने यह भी कहा कि कनाडा को आज कठिन फैसलों की आवश्यकता है, ताकि देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया जा सके और सभी कनाडाई नागरिकों के लिए समान अवसर मिल सकें।

चंद्र आर्य का जन्म कर्नाटक के तुमकुर जिले के द्वारलू गांव में हुआ था और उन्होंने धारवाड़ के कर्नाटक विश्वविद्यालय से एमबीए किया। 2006 में कनाडा जाने के बाद, उन्होंने पहले इंडो-कनाडा ओटावा बिजनेस चैंबर के अध्यक्ष के रूप में काम किया और बाद में 2015 के कनाडाई संघीय चुनाव में नेपियन राइडिंग से सांसद बने। उन्हें 2019 और 2021 में भी दोबारा चुना गया।

चंद्र आर्य की राजनीति में सक्रियता विशेष रूप से भारतीय समुदाय और

कनाडा के समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों पर रही है। उन्होंने 2022 में कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में अपनी मातृभाषा कन्नड़ में भाषण दिया और टोरंटो में हिंदू मंदिरों की तोड़फोड़ के मामलों में भी मुखर रूप से अपनी आवाज उठाई। इस हमले के लिए उन्होंने खालिस्तानी चरमपंथियों को जिम्मेदार ठहराया।

अपने प्रधानमंत्री बनने के इरादे के बारे में आर्य ने कहा कि कनाडा को एक ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो बड़े और साहसिक फैसले ले सके, जैसे कि अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण, देश में समृद्धि की बहाली और सभी कनाडाई नागरिकों के लिए समान अवसर पैदा करना। उन्होंने कहा, "साहसिक राजनीतिक निर्णय अब वैकल्पिक नहीं, बल्कि आवश्यक हैं।"

आर्य ने यह भी कहा कि यदि वह लिबरल पार्टी के नेता बनते हैं, तो वह कठिन और साहसिक निर्णय लेंगे, जो कनाडा के भविष्य के लिए जरूरी हैं। उन्होंने कनाडा को एक संप्रभु गणराज्य बनाने का वादा किया और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए खास कदम उठाने की बात की।

कनाडा में आज कई लोग विशेष रूप से युवा पीढ़ी गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मध्यम वर्ग के लोग संघर्ष कर रहे हैं और कई कामकाजी परिवार गरीबी में जा रहे हैं। इन मुद्दों को हल करने के लिए आर्य ने कहा कि उन्हें ऐसे फैसले लेने होंगे जो अगले कुछ दशकों तक देश की समृद्धि सुनिश्चित करें।

आर्य ने यह भी प्रस्तावित किया कि कनाडा का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद अगले 25 वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने सेवानिवृत्ति की आयु को दो वर्ष बढ़ाने और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और अन्य पेशेवरों को जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास की दिशा में प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर देने की बात की।

कनाडा की राजनीति में यह कदम एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है क्योंकि चंद्र आर्य लिबरल पार्टी के पहले सदस्य हैं जिन्होंने पार्टी के नेतृत्व के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है।

## चोरी के पांच दोपहिया समेत वाहन चोर गिरफ्तार,आरोपी पर पहले के 22 मामले दर्ज

**नई दिल्ली।** उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर पुलिस ने 22 आपराधिक मामलों में शामिल एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि आरोपी कल्याणपुरी थाने का घोषित अपराधी है और इस पर हत्या के प्रयास, लूट आदि मामले दर्ज हैं। इसके कब्जे से चोरी के पांच दोपहिया वाहन बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, गत मंगलवार को टीम टी-प्वाइंट, सीलमपुर के पास पिकेट लगाकर जांच कर रही थी।

जांच के दौरान शाम करीब सात बजे पुलिस ने एक युवक को बाइक से जाफराबाद की ओर से आते हुए रोका तो वह भागने की कोशिश करने लगा लेकिन बाइक से फिसल कर गिर गया और पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसके पास वाहन के कागजात मौजूद नहीं थे। जांच में वाहन चोरी का निकला और आरोपी की पहचान 27 वर्षीय पवन उर्फ गोलू के रूप में हुई। बाद में पूछताछ के दौरान इसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के चार अन्य दोपहिया ब्रह्मपुरी पुलिया के पास से बरामद कर लिए। पुलिस इससे अन्य मामलों में पूछताछ कर रही है।

## 'आरएसएस' का छोटा रिचार्ज हैं अरविंद केजरीवाल : वारिस पठान

**नई दिल्ली।** ऑल इंडिया मजलिस इत्तेदहुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता वारिस पठान गुरुवार को बात करते हुए 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना', आम आदमी पार्टी (आप) और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को आरएसएस का छोटा रिचार्ज कहा।

'आप' द्वारा 'पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना' लाने पर एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कहा, "अरविंद केजरीवाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का छोटा रिचार्ज हैं। भाजपा और आरएसएस में कोई अंतर नहीं है। केजरीवाल ने कोविड के समय मुसलमानों पर आरोप लगाया था कि तब्लीगी जमात की वजह से कोविड फैल रहा है। उनकी पार्टी के पार्षद ताहिर हुसैन जब जेल में चले गए, तो उनके घर वो पूछने तक नहीं गए। वो पंडितों और ग्रंथियों को 18,000 रुपये महीने दें, इससे हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन इसके साथ उनके घर के सामने जो मौलाना पहुंचे, उनका महीनों से वेतन बाकी है, पहले उसको दे दें।"

उन्होंने आगे कहा, "केजरीवाल मुसलमानों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं, फिर उनको मुसलमानों का वोट भी चाहिए। अगर उनके पास पैसा नहीं है, तो पैसा कैसे देंगे। वो खुद शीश महल में जाकर बैठ गए। उनका दो मुंहा चेहरा अब लोगों के सामने आ गया है। अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आइकॉन बनते जा रहे हैं, उन्होंने शीश महल में करोड़ों रुपये खर्च कर दिया। जो टॉयलेट का शीट है, वो भी करोड़ों का है। शराब घोटाले में उन्हीं की पार्टी के लोग जेल में गए। केजरीवाल खुद बेल पर बाहर आए हुए हैं और अब चुनाव लड़ेंगे।"

बाबरी मस्जिद अभी तक नहीं बन पाने को लेकर वारिस पठान ने कहा, "मैं बस यही कहूंगा कि 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद को शहीद कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई के वक्त कहा था कि वहां पर कोई ऐसे प्रमाण नहीं मिले थे कि किसी मस्जिद को तोड़कर मंदिर बनाई गई थी। लेकिन आज दुनिया के सामने एक प्रमाण है कि एक मस्जिद को शहीद करके मंदिर बनाया जा रहा है, यह आज पूरी दुनिया देख रही है।

## बेइज्जती का बदला लेने के लिए, युवक के सहकर्मी ने ही बेरहमी से कर दी हत्या

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के केशवपुरम इलाके में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आपको बता दें कि दो युवकों ने कार्य स्थल पर बार-बार अपमानित करने वाले शख्स को मौत के घाट उतार दिया। कमरे से दुर्गंध आने के बाद वारदात का खुलासा हुआ। पुलिस ने इंस्टाग्राम रील्स की मदद से दोनों आरोपियों रणजीत और नीरज वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। उत्तरी- पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि बीते सात जनवरी को पुलिस को रामपुरा स्थित एक मकान के बंद कमरे से दुर्गंध आने की शिकायत मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो कमरे के अंदर सड़ी-गली अवस्था में एक युवक का शव मिला। मृतक का चेहरा काला पड़ा हुआ था। उसके पास से रामपुरा निवासी गोलू का आधार कार्ड मिला। बाद में मृतक की बहन ने उसकी

शिनाख्त गोलू के रूप में की। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस जांच में पता चला कि गोलू इलाके में स्थित एक फुटवेयर की फैक्ट्री में काम करता था। हत्या की आशंका को देखते हुए, पुलिस ने जांच के लिए एक टीम बनाई। मृतक के कमरे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जिसमें दो संदिग्ध दिखे। जिसमें एक की पहचान रंजीत के रूप में हुई। पुलिस ने रंजीत को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की। रंजीत ने मृतक को पहचानने से इंकार कर दिया। पुलिस ने रंजीत और गोलू के इंस्टाग्राम अकाउंट की छानबीन की। जिसमें दोनों का वीडियो मौजूद था। पुलिस ने रंजीत को फिर से हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसमें उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने रंजीत को गिरफ्तार करने के बाद उसके निशानदेही में वारदात में शामिल दूसरे आरोपित नीरज वर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

इनकी निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल छड़ी बरामद कर ली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि फैक्ट्री में गोलू अक्सर उन्हें अपमानित करता था। जिसका बदला लेने के लिए 31 दिसंबर की रात गोलू के घर पर पार्टी की। फिर दोनों ने गोलू के साथ मारपीट की। इस दौरान गोलू का सिर दीवार से टकरा गया। जिससे वह बेहोश हो गया, दोनों मरा हुआ समझकर उसे कमरे में बंद कर वहां से भाग कर फरार हो गए।

## दिल्ली में दंगों के दौरान के समय हत्या करने वाले भगोड़े आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** उत्तर पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार थाना पुलिस ने साल 2020 के दिल्ली में हुए दंगों के दौरान हत्या में शामिल एक भगोड़े को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि आरोपी की पहचान (24 वर्षीय) फरमान के रूप में हुई है। उसका कोई ठिकाना नहीं था।

वह पिछले चार सालों से फरार चल रहा था और अदालत व पुलिस के समक्ष पेश होने से बचने के लिए छिप कर रह रहा था। इसके बाद 29 फरवरी, 2024 को अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। इसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

## एनआईए ने चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले में गैंगस्टर हैप्पी पासिया पर 5 लाख रुपये का इनाम किया घोषित

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चंडीगढ़ में हाल ही में हुए एक घर पर हैंड ग्रेनेड हमले के मामले में गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया के खिलाफ 5 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित किया है। गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया फरार है।

हैप्पी पासिया पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला तहसील का निवासी है। वह चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में हुए 10 अक्टूबर 2024 को हैंड ग्रेनेड हमले में आरोपी है। वह इस हमले के बाद से ही फरार है। एनआईए द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है। यह मामला यूए (पी) अधिनियम की धारा 13 और 16, बीएनएस की धारा 109, 351(2), 333 और 61, तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 की धारा 3, 4, 5 और 6 के तहत दर्ज किया गया था।

एनआईए ने बताया कि यदि किसी को हैप्पी पासिया के बारे में कोई जानकारी है, तो वह सूचित करे। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

## चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद केजरीवाल का बयान, 'कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतंत्र की हो जाएगी हत्या'

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने अरविंद केजरीवाल के साथ गुरुवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की और अपनी शिकायत दर्ज कराई। केजरीवाल का कहना है कि अगर चुनाव आयोग ने तुरंत कार्रवाई नहीं की तो दिल्ली में लोकतंत्र की हत्या हो जाएगी। इस मुलाकात के दौरान अरविंद केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भी मौजूद रहीं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी को समय देने के लिए चुनाव आयोग का धन्यवाद, मुख्य चुनाव आयुक्त से तो मुलाकात नहीं हुई। लेकिन, दोनों चुनाव आयुक्त से मिलकर आम आदमी पार्टी ने अपनी बात रखी है। हमारी कई मांगों और शिकायतों में मुख्य था, नई दिल्ली विधानसभा के अंदर 15 दिसंबर के बाद से 8 जनवरी तक 22 दिन में 5,500 वोट कटने के लिए आवेदन आ गए हैं। कुल वोट 1 लाख हैं

और महज 22 दिनों में ही 5.5 प्रतिशत वोट कटने की एप्लीकेशन आई है। जाहिर तौर पर एप्लीकेशन गलत हैं। नीचे के अधिकारियों ने जब जांच की और उन लोगों को बुलाया गया, जिनके नाम से वोट कटने के एप्लीकेशन आए थे, तो उन्होंने मना कर दिया कि उन्होंने कोई एप्लीकेशन दिया है। 89 लोगों ने 5.5 हजार एप्लीकेशन दिए हैं और उनमें से 18 लोगों को बुलाया गया तो उन्होंने मना कर दिया। इसका मतलब बड़े स्तर पर स्कैम चल रहा है, ये फ्रॉड है।

केजरीवाल ने कहा कि दूसरा हमने कहा 15 दिसंबर से 8 जनवरी तक 13 हजार नए वोट जोड़ने की एप्लीकेशन आई है। छोटी सी असेम्बली है। 1 लाख वोटर हैं, उनमें से नए 13 हजार वोटर कहां से आ गए। यूपी, बिहार और यूपी के आसपास के स्टेट से लाकर फर्जी वोट यहां पर बनवाए जा रहे हैं। अगर किसी भी विधानसभा में 18.50 प्रतिशत वोट इधर से उधर हो जाएगा तो वह चुनाव नहीं है, वह सिर्फ तमाशा है। तीसरी बात हमने चुनाव आयोग के सामने रखी कि प्रवेश वर्मा जी खुलेआम जॉब कैंप लगा रहे हैं, रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। खुलेआम पैसे बांटे जा रहे हैं। हेल्थ कैंप में चश्मे बांटे जा रहे हैं। 15 जनवरी को उन्होंने ऐलान किया है कि जॉब फेयर लगाएंगे। चुनाव आयोग के निदेर्शों का उल्लंघन किया जा रहा है। प्रवेश वर्मा को चुनाव लड़ने से डिबार किया जाना चाहिए। उनके घर पर रेड मारी जानी चाहिए, ताकि पता चले कि उसके घर में कितना पैसा है।

अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जैसे फिल्मों में होता है कि जब किसी को पुलिस वाला पकड़ लेता है तो वह कहता है कि मेरा बाप कौन है, जानते हो, ऐसे ही प्रवेश वर्मा खुलेआम पैसे बांट रहे हैं और कह रहे हैं कि सब खुलेआम करूंगा। जो नई दिल्ली विधानसभा के चुनाव अधिकारी हैं, उन्होंने पूरी तरह से बीजेपी के सामने सरेंडर कर दिया है।

अरविंद केजरीवाल का कहना है कि उन्होंने चुनाव आयोग से यह मांग की है कि लोकल डीओ और ईआरओ को सस्पेंड किया जाए।

## दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच फिर से ग्रैप-3 लागू, दिशा-निर्देश जारी

**नई दिल्ली।** देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए एक बार फिर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का तीसरा चरण लागू कर दिया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने इसकी घोषणा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं।

दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। इस समय राजधानी का औसत एक्यूआई 377 तक पहुंच गया है। प्रदूषण के इस खतरनाक स्तर को देखते हुए ग्रैप-3 को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। सीएक्यूएम द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों में मुख्य रूप से निर्माण कार्यों को रोकने, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर नियंत्रण रखने समेत कई अन्य उपायों के बारे में बात की गई है।

ग्रैप के तीसरे चरण को लागू करने के बाद बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहनों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाती है। इसके अलावा, बिल्डर प्रोजेक्ट, सड़क निर्माण और अन्य निर्माण परियोजनाओं पर भी पूरी तरीके से रोक लगा दी जाती है। ग्रैप 3 के नियम लागू होते ही सिर्फ अति आवश्यक जगह एयरपोर्ट, अस्पताल, एलिवेटेड रोड और एसटीपी प्लांट परियोजनाओं को छोड़कर सभी जगहों पर निर्माण कार्य बंद कर दिया जाता है।

बता दें कि एक्यूआई 401 से 450 के बीच होने पर ग्रैप 3 लागू किया जाता है। इसमें हर दिन सड़कों की सफाई की जाती है, नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाता है। निर्माण और विध्वंस से निकलने वाले धूल और मलबे का सही तरीके से निष्पादन किया जाता है।

ग्रैप का पहला चरण तब लागू होता है, जब एक्यूआई 201 से 300 के बीच रहता है। इसके बाद दूसरा

**संरक्षक:** संजय शुक्ला,( सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

**सलाहकार संपादक:** रिजवान सैफ खान

**सह सपांदक:** मोहम्मद दानिश फारुक्वी ,

**सह संपादक:** राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

## डॉ. रेखा चतुर्वेदी ने प्रवासी भारतीय दिवस पर अपनी पुस्तक का विमोचन किया

**करनाल ।** प्रख्यात लेखिका और शिक्षाविद् डॉ. रेखा चतुर्वेदी ने अपनी पीएचडी शोध पर आधारित पुस्तक ह्लफिजी में भारतीयों का इतिहास तथा उनका जीवन (1879 झ्र 1947)ह्व का विमोचन प्रवासी भारतीय दिवस के शुभ अवसर पर किया।

18वें प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 9 जनवरी, 2025 को किया जाएगा। गौरतलब है कि डॉ. रेखा चतुर्वेदी स्वर्गीय पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी (राज्यसभा सांसद) की पोती हैं। पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी ने प्रवासी भारतीयों पर उल्लेखनीय कार्य किया है।

डॉ. रेखा चतुर्वेदी ने कहा, ह्लफिजी में भारतीयों का इतिहास तथा उनका जीवन (1879 झ्र1947)ह्व भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के जीवन और उनके

संघर्षों पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। साल 2025 के प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर इस ऐतिहासिक पुस्तक का प्रकाशन भारतीय प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा को हाइलाइट करती है। प्रवासी भारतीय दिवस पर इस पुस्तक का विमोचन इसके महत्व को दर्शाता है और साथ ही यह प्रवासी समुदाय के योगदान और संघर्षों को सम्मान देने की एक सार्थक कोशिश है।

## भारतीय नौसेना को मिली हंटर-किलर पनडुब्बी

**नई दिल्ली।** 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बुधवार को भारतीय नौसेना को छठी स्कॉर्पीन पनडुब्बी वाघशीर की सुपुर्दगी की गई। इसे अब 'आईएनएस वाघशीर' के रूप में

भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा।

भारतीय नौसेना के लिए तैयार की गई हंटर-किलर पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर का पिछले साल 18 मई से समुद्री परीक्षण चल रहा था। यह पनडुब्बी दुश्मन पर एक भयावह हमला करने की क्षमता रखती है। हमला पानी के नीचे या सतह पर, एंटी-शिप मिसाइलों के साथ किया जा सकता है।

वाघशीर बहुआयामी तरह के मिशनों को कर सकती है। इसमे एंटी-सरफेस वारफेयर, एंटी-सबमरीन वारफेयर, खुफिया जानकारी जुटाना, एरिया सर्विलांस आदि शामिल हैं। इसे परिचालन के सभी क्षेत्रों में संचालित करने के लिए तैयार किया गया है, जो नौसेना टास्क फोर्स के अन्य घटकों के साथ इंटर ऑपरेबिलिटी प्रदर्शित करता है। यह एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म है, जो पनडुब्बी संचालन में एक परिवर्तनकारी बदलाव ला रहा है।

## माघी मेले में दिखेगा घुडसवारों का जोश, सीपीसी आयोजित करेगी पोलो

**मुक्तसर (ब्यूरो), मुक्तसर में 11 और 12 जनवरी को माघी मेले के दौरान आयोजित होने** वाले पंजाब हॉर्स शो में चंडीगढ़ पोलो क्लब तीन पोलो एग्जीबिशन मैचों को आयोजित करने के लिये आमंत्रित किया गया है। इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र में पोलो और घुड़सवारी खेलों को बढ़ावा देना है, जिससे इस शाही खेल में रुचि फिर से जागृत हो सके। इस दो दिवसीय आयोजन में तीन टीमें शामिल होंगीं जिसमें पंजाब पोलो क्लब, टीम सर्विसमैन और तीसरे स्वंय चंडीगढ़ पोलो क्लब। तीनों टीमें तीन एरिना पोलो मैच खेलेगी। देश विदेश में भारतीय सेना के जवान भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे जो मैचों में अपने अनुशासन और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगें। चंडीगढ़ पोलो क्लब (सीपीसी), जिसकी कमान उनके अध्यक्ष दिलप्रीत सिंह सिद्धू कर रहे है, क्षेत्र में पोलो को प्रोत्साहित करने की दिशा में अग्रसर हैं। हाल ही में, सीपीसी ने इंडियन पोलो ऐसोसियेशन के अधीन दिसंबर 2024 के पहले सप्ताह में महाराजा रणजीत सिंह नैशनल पोलो टूर्नामेंट की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी जिसमें डिफेंस टीमों के अतिरिक्त देश के प्रतिष्ठित पोलो क्लब टीमों ने भाग लिया था। इसकी बढ़ावा देने के लिये एक व्यापक रोडमैप विकसित करने के लिये जोर दे रहा है।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी